ॐ श्री सदगुरू देवाय नमः ॐ ॐओ३म् ॐ जय माता दी ॐ
ॐ सीताराम बाबा जी ॐॐ जय बाबा की ॐॐ श्याम बाबा ॐॐ
ॐ ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! ॐ

ॐ उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवहि जनकात्मजायाः ॐ आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम् ॐ
ॐ मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् ॐ वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये ॐ

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 311 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦23 अगस्त 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR
SALE, PURCHASE
RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE
WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4,
Adarsh Colony, Rudrapur

मलबे में दबने से चार की मौत

भारी बारिश के बाद देर रात फाटा गदेरा उफान पर

रूद्रप्रयाग (उद संवाददाता)। भारी बारिश से रुद्रप्रयाग के फाटा में हादसा हो गया। गदेरे में आए मलबे में दबने से चार मजदूरों की मौत हो गई। सभी लोग नेपाल के थे, शवों को डीडीआरएफ की टीम रुद्रप्रयाग लेकर गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि देर रात करीब डेढ़ बजे अत्यधिक बारिश के कारण फाटा हेलीपेड के पास खाट गदेरे के पास चार लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम घटना स्थल के लिए मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य किया। वहां चार लोग मलबे में दबे दिखे जिन्हें तुरंत वहां से निकाला गया, लेकिन तब तक चारों की जान जा चुकी थी। मृतक लोगों में तुल बहादुर पुत्र हरका बहादुर ग्राम सीतलपुर पोस्ट बुरवा बाजार थाना बुरवा बाजार जिला चित्तौन आंचल नारायणी, पूरन नेपाली, किशना परिहार दीपक बुरा जिला दहले आंचल करनाली नेपाल शामिल है। संयुक्त रेस्क्यू टीम में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ व जिला पुलिस के जवान शामिल रहे।

आपदा प्रभावितों को मुआवजे के लिए धरने पर बैठे कांग्रेसी विधायक

गैरसैंण (उद संवाददाता)। विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे और आखिरी दिन सदन में विधायकों के सवालों पर चर्चा हुई। वहीं कांग्रेस विधायकों ने प्रदेश में आई आपदा से प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर विधान सभा के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस विधायकों ने कहा कि प्रदेश में सरकार का आपदा प्रबंधन पूरी तरह फेल हो चुका है। आपदा से कई लोगों की जानें गयी हैं, बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं, लोगों के घर (शेष पृष्ठ सात पर)

घर में घुसकर परिजनों पर हमला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। किच्छा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दरऊ में विगत रात्रि हथियार बंद कुछ लोगों ने एक घर में घुसकर परिजनों पर जानलेवा हमलाकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। ग्राम दरऊ निवासी अशफाक पुत्र महबूब का कहना है कि 20 अगस्त को उसके ताऊ द्वारा एक

तहरीर चौकी आजाद नगर किच्छा में दी थी। जिसके सम्बन्ध में 21 अगस्त को पुलिस मौके पर पहुँची और कुछ समय बाद वापिस चली गयी। उसके बाद शाम को वह अपने घर पर अपने परिवार के साथ मौजूद था। तभी ग्राम के ही निवासी कुछ लोग लाठी डंडो, चापड़ व तेज धारदार हथियारों से लैस होकर जबरन उसके घर में घुस आये और उसे, उसकी पत्नी रूबी, पुत्री नाजरा को बुरी तरह (शेष पृष्ठ सात पर)

विधानसभा में बोले बेहड़–जिले को जमकर लूटा जा रहा है

लगता ही नही उधमसिंहनगर में कानून नाम की कोई चीज है: बेहड़

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गैरसैण में चल रहे विधानसभा सत्र के कल दूसरे दिन किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ ने उधमसिंहनगर जनपद की बिगड़ती कानून व्यवस्था का मुद्दा जोरशोर से उठाते हुये कप्तान की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगाया और बोले की लगता ही नही ऊधमसिंहनगर में कानून नाम की कोई व्यवस्था है। जिले को जमकर लूटा जा रहा है और हम इसे लुटवा रहे है। आम लोगों के साथ पुलिस आये दिन दुव्यर्वहार कर रही हैं। श्री बेहड़ ने विधानसभा सत्र के दूसरे दिन नियम 310 के तहत उधम सिंह नगर में बिगड़ती कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुये कहा कि क्षेत्र में बलात्कार, हत्या, डकैती की घटनायें बढ़ रही है मगर पुलिस का काम जमीनों पर कब्जा और छुड़ाने तक सीमित रह गया है। यदि किसी को जमीन कब्जानी है या फिर छुड़वानी है तो वह ही पुलिस के पास जाता है। विधानसभा में श्री बेहड़ ने बताया कि अभी कुछ समय पहले कप्तान और थानाध्यक्ष पंतनगर द्वारा बाहर से आये कुछ लोगों को दिनेशपुर में 15 एकड़ भूमि पर कब्जा कराया गया। यही नही गदरपुर में केलाखेड़ा में 17 एकड़ भूमि को लेकर दो पक्षों में मतभेद चल रहा था जिसे दोनों पक्षकारों ने सुलझा लिया गया और एक पक्ष द्वारा रजिस्ट्री कराये जाने पर सहमति बन गई। जब वह बाजपुर में रजिस्ट्री कराने के लिये पहुंचा तो हमारे जिले की पुलिस ने इतनी गजब की सक्रियता दिखाई कि रजिस्ट्री कार्यालय से ही रजिस्ट्री करवाने वाले पक्षकार को उठवा लिया गया और उसके परिवार के दो-तीन लोगों को जेल भेज दिया। मोटी रकम खाकर पुलिस जिसकों रजिस्ट्री करवाना चाहती थी उसको रजिस्ट्री करवाई गई। श्री बेहड़ ने कहा कि यदि किसी को जमीनों का काम कराना है तो जिले के कप्तान इस पर तुरन्त कार्रवाई करते है (शेष पृष्ठ सात पर)

सड़क हादसे में बाल बाल बचा कार सवार परिवार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नगर के नैनीताल मार्ग पर कार की टक्कर से ई रिक्शा सवार चार लोगों की मौत की घटना के एक दिन बाद ही नैनीताल मार्ग पर आज प्रातः परशुराम चौक पर हल्द्वानी की ओर से आ रही कार की सामने से जा रहे से ओवर टेक करने के दौरान हुई भिड़न्त में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई जबकि उसमें सवार एक ही परिवार के सभी लोग सकुशल बच गये। हालांकि कार चालक को चोट लगी है। घटना की जानकारी मिलते ही सीपीयू कर्मी तत्काल मौके पर पहुंच गये। घटना इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर के (शेष पृष्ठ सात पर)

आवश्यकता है
इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में एकाउंट्स का कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। टेली की जानकारी आवश्यक।
-संपर्क करें-
8433432291

ट्रक के नो एंट्री में आने से उठे सवाल

रूद्रपुर। विशाल मेगामार्ट के सामने परशुराम चौक पर कार व ट्रक के मध्य हुई टक्कर में हांलांकि कार सवार सभी लोग सकुशल बच गये परंतु नो इंट्री होने के बाद भी शहर में ट्रक के प्रवेश होने से यातायात व्यवस्था पर एक बार फिर से सवालिया निशान खड़ा हो गया है। लोगों का कहना है कि यदि नो इंट्री के चलते ट्रक ने शहर में प्रवेश नहीं किया होता तो यह दुर्घटना भी नहीं होती। उनका यह भी आरोप है कि निजी स्वार्थों के चलते शहर में नो इंट्री महज औपचारिकता बन कर रह गई है। शहर की सीमाओं पर पुलिसकर्मी तैनात होने के बावजूद भी शहर में भारी वाहन बेखौफ प्रवेश कर रहे हैं। जो पुलिस की कार्यप्रणाली की वास्तविकता को उजागर कर रहा है। सीपीयू का काम महज नो इंट्री में शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों को रोककर उनका चालान करने तक ही सीमित होकर रह गया है। शहर की सीमाओं पर भारी वाहनों को रोकने की जिम्मेवारी किस की है। नो इंट्री में शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों का चालान करने के साथ ही उन पुलिस कर्मियों के विरूद्ध भी कार्रवाई करना जरूरी हो गया है जो उस दौरान शहर की (शेष पृष्ठ सात पर)

बढ़ रही 'हादसों की रफ्तार', आखिर कब सबक लेगी पुलिस!

यातायात व्यवस्था के नाम पर पुलिस और सीपीयू चालान काटने तक सीमित, नियमों की खुलेआम उड़ रही धज्जियां

रूद्रपुर। जिला मुख्यालय और आस पास की सड़कों पर हादसों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यातायात नियमों का उल्लंघन है, लेकिन पुलिस प्रशासन इन हादसों से सबक नहीं ले रहा। यातायात व्यवस्था के नाम पर पुलिस और सीपीयू सिर्फ चालान काटने तक सीमित नजर आ रही है। जिसके चलते आये दिन सड़कों पर निर्दोष लोगों की जान जा रही है। बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित नैनीताल हाईवे पर बेकाबू कार की टक्कर से गर्भवती महिला सहित चार लोगों की जान चली गयी थी। शुक्रवार को इसी हाईवे पर फिर एक हादसा हुआ जिसमें नो एंट्री में घुसे एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। संयोग से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुयी ।लेकिन हादसे के वक्त जो भी लोग आस पास थे वो सहम गये। हादसे के दौरान कार में मौजूद पांच लोगों में चीख पुकार मच गयी। ट्रक की भिड़ंत किसी छोटी कार या ई रिक्शा से हुई होती तो दुर्घटना का मंजर भयावह हो सकता था। इस हादसे में पुलिस की लापरवाही भी जिम्मेवार रही है, बताया जाता है कि नो एंट्री में ट्रक घुसा था, अगर पुलिस इसे नो एंट्री में नहीं आने देती तो दुर्घटना टल सकती थी। जिला मुख्यालय और इसके आस पास की सड़कों पर शायद ही कोई ऐसा दिन बीतता है जिस दिन कोई हादसा न हो। आये दिन हो रहे इन हादसों के पीछे यातायात नियमों की अनदेखी सबसे बड़ा कारण है। जिला मुख्यालय रूद्रपुर में पिछले कुछ समय से वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया है लेकिन यातायात व्यवस्था अभी तक पुराने ढर्रे पर चल रही है। चौराहों पर लगी ट्रैफिक लाईटें शोपीस बनी हुयी हैं, चौराहों पर अकसर जाम की स्थिति रहती है। चौराहों के साथ साथ मुख्य बाजार एवं गलियों में भी जाम से बुरा हाल है। इसके अलावा आवास विकास, ट्रांजिट कैम्प, इंदिरा कालोनी, गंगापुर रोड के मार्गों पर भी अकसर जाम से बुरा हाल हो जाता है। पुलिस इस जाम की समस्या से निपटने के साथ साथ पुलिस बढ़ते सड़क हादसों पर भी (शेष पृष्ठ सात पर)

सिस्टम की लापरवाही से बढ़ रहे हादसेः गावा

रूद्रपुर। सड़कों पर बढ़ रहे हादसों पर समाजसेवी एवं भाजपा नेता सुशील गावा ने गहरी चिंता व्यक्त की है। नैनीताल रोड पर शुक्रवार सुबह हादसे के बाद तुरंत मौके पर पहुंचे सुशील गावा ने हादसे में चोटिल हुए लोगों को सहारा दिया और हाईवे पर जाम को खुलवाने में मदद की। जब उन्होंने देखा कि नो एंट्री में कम से कम पांच ट्रक खड़े हैं तो वहां पूरे सिस्टम पर बरस पड़े। गाबा ने इस बात पर हैरानी जताई कि जब सात बजे से नो एंट्री लागू है तो ट्रक नो एंट्री में कैसे आ गये। उन्होंने घटना के बीस मिनट बाद मौके पर सीपीयू के पहुंचने पर भी नाराजगी जताई कहा (शेष पृष्ठ सात पर)

मॉनसून सत्र में गैरों के साथ अपनों के सवालों से घिरी सरकार

विपक्ष ने सदन में विधानसभा सत्रों की अवधि सबसे कम होने का मुद्दा उठाया

गैरसैण(उद ब्यूरो)। गैरसैंण में आयोजित हो रहे मॉनसून सत्र के पहले ही प्रश्नकाल में सरकार को भाजपा के ही विधायकों के ज्यादा सवालों का सामना करना पड़ा। भाजपा विधायकों ने बड़ी संख्या में स्वास्थ्य, शिक्षा और सहकारिता से संबंधित सवाल लगाए थे, हालांकि कार्यसूची में शामिल होने के बावजूद अधिकांश विधायकों के सवालों का नंबर सदन में नहीं आ पाया। दरअसल, गुरुवार के दिन मानसून सत्र का पहला प्रश्नकाल था। इस सत्र में महज दो दिन ही प्रश्नकाल होना है। सत्र के लिए कुल 500 के करीब सवाल आए हैं। कार्यसूची में विधानसभा सचिवालय की ओर से कुल 83 अल्पसूचित और तारांकित प्रश्न लिए गए थे। इसमें से अकेले 53 सवाल भाजपा के विधायकों के हैं। जो प्रश्नकाल के लिए स्वीकृत कुल सवालों का करीब 63 फीसदी हैं। जबकि प्रश्नकाल के लिए कांग्रेस विधायकों के प्रश्नों की संख्या कुल महज 15 थी जो कुल प्रश्नों का 18 फीसदी बनती है। इसके अलावा निर्दलीय विधायकों की ओर से भी काफी सवाल लगाए गए। सदन में प्रश्नकाल के दौरान जो सवाल कांग्रेस विधायकों की ओर से भी पूछे गए उन पर अनुपूरक सवाल भी ज्यादातर भाजपा विधायकों की ओर से पूछे गए। इससे कई बार विपक्ष के विधायकों को मंत्रियों को उलझाने में मदद मिली। प्रश्न काल के दौरान विधायक मुन्ना सिंह चौहान, विनोद चमोली, सहदेव पुंडीर, बृजभूषण गैरोला ने सदन में अनुपूरक सवाल पूछे। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने सदन में व्यवस्था दी कि प्रश्नकाल में किसी स्पेशफिक विधानसभा के संदर्भ में पूछे गए सवाल पर अनुपूरक सवाल भी उसी विधानसभा क्षेत्र से संबंधित होना चाहिए। कांग्रेस के कई विधायकों ने इस पर आपत्ति जताते हुए इसे गलत बताया। लेकिन स्पीकर ने विनिश्चय दिया कि इसी व्यवस्था के अनुसार सभी विधायकों को सवाल पूछने हैं। इसके बाद मुन्ना चौहान ने अनुपूरक सवाल उठाया लेकिन चालाकी से उसे पूरे राज्य से जुड़ा सवाल बना दिया, इस पर स्पीकर ने सदन में कहा कि विधायकों को मुन्ना चौहान से सवाल पूछने का तरीका सीखना चाहिए।

सत्रों की अवधि का निरंतर कम होना दुर्भाग्यपूर्ण : आर्य

देहरादून(उद संवाददाता)। गैरसैण में विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने सदन में सत्र की अवधि कम होने का मुद्दा उठाया। विपक्ष ने एक शोध रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि देश भर में उत्तराखंड विधानसभा की सबसे कम अवधि है। प्रदेश सरकार ने कहा, सदन को संचालित करने के लिए बिजनेस के आधार पर सत्र की अवधि तय की जाती है। मंगलौर विधानसभा से कांग्रेस विधायक काजी निजामुद्दीन ने सदन में सत्र की अवधि को लेकर व्यवस्था का प्रश्न उठाया।विधानसभा सत्र में गुरुवार को प्रश्नकाल खत्म होते ही कांग्रेस विधायक काजी निजामुद्दीन ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली के अनुरुप सत्रों की अवधि तय नहीं की जा रही। एक संस्था के शोध का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2017-2023 में देश के सभी राज्यों की विधानसभाओं के सत्रों की औसत अवधि 22 दिन रही, लेकिन उत्तराखंड तो इसमें भी न्यून स्तर पर है। राज्य विधानसभा वर्ष 2022 में आठ दिन, 2023 में 10 दिन और वर्ष 2024 में चार दिन चली। स्थिति यह है कि बजट भी एक ही दिन में पारित कर दिया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि सत्रों की अवधि का निरंतर कम होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसी सत्र के लिए विधायकों ने 500 प्रश्न लगाए हैं, तीन दिन में इनका जवाब कैसे मिलेगा। साथ ही प्रश्न किया कि सरकार विधायकों के प्रश्नों से क्यों बचना चाहती है।नेता प्रतिपक्ष ने पिछले तीन साल में हुए विधानसभा सत्रों का हवाला देते हुए कहा कि ये कभी भी सोमवार से प्रारंभ नहीं किए गए।उन्होंने कहा कि सोमवार का दिन मुख्यमंत्री के विभागों के प्रश्नों से संबंधित होता है और मुख्यमंत्री के पास 40 विभाग हैं। संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि आदर्श स्थिति यही है कि साल में विधानसभा के तीन उपवेशन हों, जिनकी अवधि 60 दिन हो। उन्होंने कहा कि सत्र की अवधि बिजनेस के आधार पर तय की जाती है। सरकार की मंशा साफ है कि सदन की कार्रवाई चले।पीठ से विधानसभा अध्यक्ष खंडूड़ी ने कहा कि वह भी चाहती हैं कि सत्रों की अवधि अधिक हो, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि इसके लिए सरकार के पास पर्याप्त बिजनेस हो। यदि अवधि कम भी हो तो देर तक सदन चलाया जा सकता है। सत्र कब आहूत करना है, इसकी अवधि कितनी होगी, यह सरकार तय करती है। फिर कार्यमंत्रणा समिति तय करती है और उसी के अनुरूप बिजनेस आता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सत्तापक्ष व विपक्ष, दोनों के सदस्यों को अपनी बात रखने को पर्याप्त समय देती हैं।

भ्रष्टाचार पर हो रहा है कड़ा प्रहार: अग्रवाल

गैरसैण। विधानसभा में नियम 58 पर विपक्ष के भ्रष्टाचार पर उठाए सवालों के जवाब में संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा प्रहार किया है। अभी तक विजिलेंस ने रिश्वत लेने के मामले में 68 लोगों को ट्रैप कर जेल भेजा। संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदेश सरकार ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। कार्यभार संभालने के दिन से ही सरकार ने भ्रष्टाचारियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई सुनिश्चित कराई है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा कर आम जनता को राहत पहुंचाई है। देहरादून, नैनीताल में सतर्कता सैक्टर का गठन करने के साथ ही पौड़ी, अल्मोड़ा में सब सैक्टर भी स्थापित किए हैं। भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की सुनवाई को नैनीताल, देहरादून में विशेष जज नियुक्त हैं। भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायत को हेल्पलाइन नंबर 1064 जारी किया गया है। अभी तक 5971 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन शिकायतों के सम्बन्ध में ट्रैप की कार्रवाई की गई है। ट्रैप की कुल 58 कार्रवाई में 10 राजपत्रित अधिकारियों और 58 अराजपत्रित कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है।

आज अगर अडानी डूबा तो देश डूब जाएगा : सुरेंद्र राजपूत

प्रेस वार्ता में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता का केंद्र सरकार पर हमला

देहरादून(उद संवाददाता)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मामला देश का है। अगर हम गलत हों तो हमें सही कीजिए। अगर वो गलत हों तो हमारा साथ दीजिए। सरकार ने अर्थव्यवस्था को बेच दिया है। देश के तीन चार उद्योगपति देश की अर्थव्यवस्था हैं। आज वो दुनिया मे नंबर एक बिजनेसमैन हैं। सब कह रहे हैं कि आज अगर अडानी डूबा तो देश डूब जाएगा। हमारे देश के पूंजीपति हमारे लिए काम करें, सरकार के लिए नहीं। हमारी प्रति व्यक्ति आय दुनिया मे142वें नंबर पर है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अपने परम मित्र की सारी कंपनी को क्यों बचा रही है। जब उन्हें ठेका देना होता है तो दूसरी कंपनी में केंद्रीय एजेंसी के छापे डालो, फिर वो कम्पनी ए 1 खरीद लेता है। ऐसे तमाम मामले हैं। जहां छापे पड़ते हैं, वो कंपनी ए 1 ने खरीद ली। सरकारी क्षेत्र के बैंकों को उनके यहां पैसा लगाने को मजबूर किया जाता है। एसबीआई और एलआईसी से पैसा लगवाया गया। हम पूछना चाहते हैं कि अगर अडानी की कंपनी डूबी तो एलआईसी और एसबीआई के पैसे का जिम्मेदार कौन होगा। पैसा डूबा तो मेरा और आपका पैसा होगा। हमारी विदेश नीति को दांव पर लगाया गया है। झारखंड में अडानी ने प्लांट लगाया, बिजली बांग्लादेश को बेच रहे हैं। सरकार ने 35 साल की लीज पर श्रीलंका के पोर्ट लिया, लेकिन अडानी को दे दिया। कोयले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाते हुए कहा कि 3.1 ट्रिलियन टन कोयले में खेल किया गया है।अडानी को जमीन केवल एक रुपये लीज पर दिया गया। एयरपोर्ट सरकार बनाती है और 50 साल की लीज अडानी को दिए गए। देश का 57 फीसदी कार्गो अडानी पोर्ट पर आ रहा है। इस दौरान उन्होंने सेबी के जरिए भी अडानी को बचाने का आरोप लगाया। कहा, इससे देश की प्रतिष्ठा खराब होती है। उन्होंने माधवी बुच के इस्तीफे की मांग की। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि कांग्रेस सरकार में टाटा और बिरला जैसे बड़े उद्योगपति रहे, लेकिन कभी किसी को ये नहीं लगा कि सरकार का उनके प्रति कोई झुकाव है। यकीन यहां आप देख सकते हैं। आईआईटी को 120 करोड़ टैक्स का नोटिस जारी हुआ है, जबकि एक बाबा को पांच साल की जीएसटी माफ की गई है। जनता अब गले तक भर गई है। हम नहीं चाहते कि बांग्लादेश जैसी स्थिति यहां भी हो , इसलिए सरकार अभी चेत जाए।

उत्तराखंड में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हो व्यापक चर्चा : हरदा

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड विधानसभा के सत्र की कार्य सूची देखकर मैं निराश हूं। केवल दो दिन विधानसभा सरकारी कामकाज के साथ-साथ जो राज्य के अंदर अनेकों घटनाक्रम हैं या जो चुभते हुए राज्य के सवाल हैं और विधायकगणों के प्रश्न हैं उन पर विचार करेंगे। महिला उत्पीड़न राज्य के अंदर एक सबको कचोटने वाले ज्वलंत प्रश्न हैं, केवल कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा के दौरान महिलाओं पर हो रहे अत्याचार की चर्चा न्याय नहीं है। न्याय तब होगा जब विधानसभा महिलाओं की स्थिति पर उत्तराखंड में महिलाओं की सुरक्षा पर एक विहंगम विवेचन करे और एक दिन का सत्र इस विषय के लिए डेडिकेट करे ताकि एक गंभीर संदेश विधानसभा के माध्यम से जा सके। विधानसभा की कार्रवाई के दौरान दो विधेयक मेरा ध्यान खींच रहे हैं। पहला उत्तराखंड लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली विधेयक, बाहर से देखने में यह बहुत भोला सा विधेयक लगता है लेकिन इसका दुरुपयोग हो सकता है, विपक्ष और जन आंदोलनों को कुचलने के लिए या उनको कमजोर करने के लिए भी इस कानून का दुरुपयोग हो सकता है तो इस पर जब तक राज्य के अंदर एक स्पष्ट राय न बने तब तक बात नहीं होनी चाहिए। यदि यह उचित रहेगा कि इसको प्रवर समिति को या लोगों की राय जानने के लिए परिचालन के लिए डाल दिया जाए। दूसरा जो जमीनों को लेकर जमींदारी विनाश और भूमि अधिनियम 1950 में संशोधन के लिए विधेयक है उसमें मेरी दिलचस्पी है। लेकिन मैंने राज्य की विधानसभा की वेबसाइट को चेक किया और संबंधित रेवेन्यू विभाग की भी उसका डिटेल नहीं मिल रहा है, जो राज्य चाह रहा है, लोग चाह रहे हैं वह प्राविधान है या नहीं है विधेयक में यह देखना महत्वपूर्ण है।

पीड़िता की बिगड़ी तबीयत, रीक्रिएट होगा क्राईम सीन

नाबालिग लड़की से गैंगरेप के आरोपी ड्राइवर-कंडक्टर बर्खास्त

देहरादून(उद संवाददाता)। आईएसबीटी परिसर के भीतर बस में नाबालिग लड़की से गैंगरेप के पांचों आरोपियों की दो दिन की रिमांड कोर्ट से मंजूर हो गई है। लिहाजा, पुलिस अब दिल्ली से देहरादून तक गैंगरेप का क्राइम सीन दोहराएगी। पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त की रात आईएसबीटी परिसर में मुरादाबाद की किशोरी से गैंगरेप हुआ था। रोडवेज से अनुबंधित बस का ड्राइवर कश्मीरी गेट से किशोरी को अपने साथ दून लेकर पहुंचा था। चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने बालिका निकेतन में तीन दिन किशोरी की काउंसलिंग की, जिसके बाद मामला खुला। इसके बाद बीते शनिवार को पटेलनगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रोडवेज की अनुबंधित बस के ड्राइवर धर्मेंद्र कुमार, रवि कुमार, कंडक्टर देवेंद्र, राजपाल और कैशियर राजेश कुमार सोनकर को गिरफ्तार किया था। इस मामले में साक्ष्य जुटाने के लिए पुलिस ने तीन-तीन दिन की रिमांड के लिए कोर्ट में आवेदन किया, जिस पर गुरुवार को पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष ने अपने तर्क रखे। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि कोर्ट ने पांचों आरोपियों की दो-दो दिन की रिमांड मंजूर की। पुलिस रिमांड के दौरान पूरा क्राइम सीन दोहराया जाएगा। पीड़िता को बस में दिल्ली से लाने वाले ड्राइवर-कंडक्टर को वहां ले जाकर पूरा मैप बनाया जाएगा। किशोरी के साथ पहले भी हुआ था: दुष्कर्म दून में गैंगरेप की शिकार किशोरी के साथ पहले भी दुष्कर्म हुआ था। मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज कराते समय पीड़ित किशोरी ने आपबीती बताई। लिहाजा, मजिस्ट्रेट के निर्देश पर पटेलनगर पुलिस ने पीड़िता से दुष्कर्म का एक और मामला जीरो एफआईआर के रूप में दर्ज किया। इसे जांच के लिए पीड़िता के गृह जिले मुरादाबाद ट्रांसफर किया जाएगा। देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने इसकी पुष्टि की। दुष्कर्म का यह घटनाक्रम गैंगरेप से पहले का है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के सामने पहले भी दुष्कर्म होने का जिक्र किया। पूछने पर उसने एक व्यक्ति के बारे में बताया। लेकिन, जब आरोपी का नाम-पता पूछा गया तो पीड़िता ज्यादा कुछ नहीं बता पाई। उत्तराखंड रोडवेज प्रबंधन ने बस में किशोरी के साथ गैंगरेप के आरोपी विशेष श्रेणी ड्राइवर-कंडक्टर को बर्खास्त कर दिया है। बीते सप्ताह आईएसबीटी परिसर में उत्तराखंड रोडवेज की बस में किशोरी के साथ गैंगरेप की वारदात सामने आई थी। इस मामले में पुलिस ने पांच ड्राइवर और कंडक्टरों को गिरफ्तार किया था। रोडवेज की मंडलीय प्रबंधक (संचालन) पूजा केहरा ने बताया कि गुरुवार को विशेष श्रेणी कंडक्टर देवेंद्र पाल और ड्राइवर राजपाल सिंह को बर्खास्त कर दिया गया। जबकि, इससे पहले नियमित कंडक्टर राजेश सोनकर को सस्पेंड किया जा चुका है। इसके अलावा अनुबंधित बस के ड्राइवर रवि कुमार और धर्मेंद्र कुमार की सेवाएं भी समाप्त की जा चुकी हैं।

गैंगरेप से पहले मुरादाबाद में भी कई बार हुआ था किशोरी से दुष्कर्म

देहरादून। अंतरराज्यीय बस अड्डा (आइएसबीटी) देहरादून परिसर में परिवहन निगम की अनुबंधित बस में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार हुई किशोरी से उसके गृह क्षेत्र मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में भी दुष्कर्म हो चुका है। जांच में पुलिस को पता चला है कि किशोरी लंबे समय से यौन शोषण की शिकार होती आ रही है।किशोरी ने पुलिस को दिए बयान में भी जानकारी दी है कि मुरादाबाद में भी उससे अलग-अलग समय पर अलग-अलग व्यक्तियों ने दुष्कर्म किया है। इस आधार पर पुलिस ने जीरो एफआइआर दर्ज कर ली है और इसे जांच के लिए मुरादाबाद ट्रांसफर कर दिया गया है। घटना के बाद से बालिका निकेतन में रह रही किशोरी की तबीयत गुरुवार शाम बिगड़ गई। जिसके बाद उसे जिला अस्पताल कोरोनेशन में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा कि घटना के बाद से ही पीड़िता को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो रही है। बालिका निकेतन में भी उसके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है। सामूहिक दुष्कर्म के मामले की जांच देहरादून पुलिस यथावत करती रहेगी।पुलिस के अनुसार किशोरी ने बाल एवं महिला आयोग और बाद में पुलिस को दिए बयानों में उसके साथ पूर्व में दुष्कर्म होने की बात बताई है। इसके बाद पुलिस पीड़िता के मजिस्ट्रेटी बयान भी दर्ज करा चुकी है। बाल एवं महिला आयोग की ओर से पुलिस को मुरादाबाद में हुई दुष्कर्म की घटना के संबंध में अलग से मुकदमा दर्ज करने को कहा गया था।

अर्बन क्षेत्र में 23 नये हैल्थ वैलनेस केन्द्रों के संचालन का दिया सुझाव

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग की जिला स्तरीय समिति तथा जिला स्वास्थ्य समिति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विचार विमर्श कर 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 हेतु 48 उपकेन्द्रों, 7 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा 6 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर नैदानिक सेवाओं के सुदृणीकरण हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार प्रस्तावों के साथ ही उपकेन्द्रों हेतु लैब इन बैग, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु हैल्थ एटीएम तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु टू नॉट मशीनों के प्रस्ताव शासन को भेजे जाने पर सहमति प्रदान की गयी। अर्बन क्षेत्र में 23 नये हैल्थ वैलनेस केन्द्रों के संचालन के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा सुझाव दिया गया कि सम्बन्धित क्षेत्र के प्रशासक, जनप्रतिनिधियों से हैल्थ वैलनेस केन्द्र की स्थापना हेतु सलाह अवश्य ली जाय तथा जन प्रतिनिधियों को केन्द्र संचालन से पूर्व अवगत भी कराया जाय।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की

समीक्षा बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा राज्य से जनपद को कार्यक्रमवार स्वीकृत धनराशि व आयोजित कार्यक्रमों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में व्यय धनराशि के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए शतप्रतिशत विद्यालयों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की स्वास्थ्य जांच करने के निर्देश देते हुए आरबीएसके के भ्रमण रोस्टर जारी करते हुए रोस्टर जिलाधिकारी, सीडीओ, मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालयों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये साथ ही आरबीएसके टीम स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में जाने से पूर्व उन्हे सूचना दे ताकि विद्यालयों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो सकें। उन्होने कहा कि गर्भवती महिलाओं को उनकी डिलीवरी के एक माह पूर्व से ही ट्रेक करे तथा डिलीवरी तिथि से पूर्व ही गर्भवती महिलाओं को चिकित्सालयों में भर्ती कराना सुनिश्चित करें साथ ही शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव कराने के निर्देश दिये। उन्होने सिकेल सेल एनिमिया की जांच को बढ़ाने के निर्देश दिये गये तथा मोबाईल मेडिकल वैन द्वारा जनपद के सभी जनजातीय क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान कराये जाने के निर्देश भी दिये।अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने जनपद में पंजीकृत गर्भवती महिलाओं, माताओं की सूची मय दूरभाष नम्बर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये ताकि उनसे दूरभाष से वार्ता कर योजनाओं से प्राप्त लाभ की जानकारियां ली जा सकें। उन्होने गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण के समय ही उनका फोन नम्बर व बैंक खाता लेने के निर्देश दिये ताकि उन्हे जननी सुरक्षा योजना की धनराशि समय से मिल सकें व दूरभाष द्वारा उनसे उनकी स्वास्थ्य की जानकारियां समय-समय पर ली जा सकें। बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम जननी सुरक्षा योजना, पीसीपीएनडीटी, टीकाकरण, राष्ट्रीय किशोर सुरक्षा कार्यक्रम, फैमली प्लानिगं, अन्धता निवारण, संचारी, गैर संचारी रोगों की रोकथाम हेतु किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी तथा निर्देशित किया गया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलायी जा रही समस्त योजनाओं की जानकारी आम जनमानस के साथ ही जनपद के जन प्रतिनिधियों को आवश्यक रुप से दी जाये।बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनोज शर्मा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा० हरेन्द्र मलिक, मुख्य शिक्षा अधिकारी के०एस० रावत, समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, कोषाधिकारी धीरज तिवारी, डीपीओ मुकुल चौधरी, ग्राम प्रधान संगठन अध्यक्ष भाष्कर सम्मल के अतिरिक्त हिमांशु मस्यूनी, डीएस भण्डारी, चाँद मिया, जावेद अहमद, प्रदीप महर आदि मौजुद थे।

मदरसे में उत्पीड़न पर विपक्ष मौन क्यों: शिव अरोरा

भाजपा विधायक ने सदन में विपक्ष के सवालों पर किया पलटवार

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। गैरसैण विधानसभा सत्र के दौरान सदन में विपक्ष ने प्रदेश के लॉयन ऑर्डर पर चर्चा की जिसमे विपक्ष के नेता सहित, विपक्ष के सभी कांग्रेसी विधायकों ने प्रदेश मे छोटे बड़े हर प्रकार के अपराध पर चर्चा की। जिस पर विधायक शिव अरोरा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति करती रही है। उन्होंने कहा कि उधम सिंह नगर के मलसी गांव में एक सप्ताह पहले मदरसे मे मौलवी द्वारा बच्चियों को पोर्न वीडियो दिखाकर अपने कमरे मे यौन उत्पीड़न करता है ओर जिसमे पीड़िता द्वारा बताया गया कि उसके मदरसे में जाने के दो से तीन दिन के अंदर हीं उसके साथ इस प्रकार की अश्लील हरकते शुरू हो गयी थी, साथ हीं मौलवी उसको डराता था कि अगर घर मे कुछ बोलोगी तो तुम्हारे परिजनो को जादू कर के मार दूंगा जिससे

पीड़िता डर गयी थी, लेकिन जैसे हीं घटना सामने आयी उस मौलवी को गिरफ्तार कर पुलिस द्वारा जेल भेजा गया। विधायक ने कहा कि इस प्रकार के जघन्य अपराध और उत्तराखंड मे अवैध मदरसों का संचालन उसमें इस प्रकार के यौन उत्पीड़न जैसे मामले आये दिन सामने आना आखिर इनको कौन संरक्षण दे रहा है। कांग्रेस के जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों साधे हुए है। यह मलसी गांव की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। उत्तराखंड मे अवैध मजारों के नाम पर कब्जे कर राज्य मे सुनियोजित साजिश चल रही है जो एक चिंता का विषय है। यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, आखिर विपक्ष का इस अमानवीय विषय पर मौन होना और एक शब्द मौलवी के खिलाफ बोलने की हिम्मत न जुटाना क्या दर्शता है। आखिर इन मौलवियों के पीछे कौन है किनके बल पर अवैध मदरसे संचालन और मदरसों मे लगातार यौन उत्पीड़न कि घटनाये हो रही है। विधायक अरोरा ने विपक्ष से सवाल किये क्या यह अपराध की श्रेणी मे नहीं आता। आखिर विपक्ष को इस विषय की चिंता क्यों नहीं हुई क्या इस विषय पर चर्चा से उनका मुस्लिम वोट बैंक खतरे मे आ जायेगा। यह विपक्ष की तुष्टिकरण की राजनीति को दर्शाता है। जहाँ उनको प्रदेश मे अपराध की चिंता तो होती है मगर मौलवी के इस जघन्य अपराध पर वह सब मौन नजर आते है। विधायक शिव अरोरा ने इस पर सदन मे सख्त विरोध दर्ज करवाया कि नेता प्रतिपक्ष सहित सभी विपक्ष के कांग्रेस विधायक मलसी गांव के मदरसे की इस घटना पर चुप्पी क्यों साधे हुए है।

रम्पुरा का कन्हैया प्रतियोगिता कल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रम्पुरा में 'रम्पुरा का कन्हैया प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाएगा।उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम की संयोजक रुद्रपुर नगर पालिका परिषद की पूर्व चेयरपर्सन श्रीमती मीना शर्मा ने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रम्पुरा में प्रत्येक वर्ष होने वाली 'रम्पुरा का कन्हैया प्रतियोगिता' इस वर्ष भी धूमधाम के साथ मनाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि रम्पुरा स्थित श्री चुन्नीलाल कोली श्री श्री 1008 परमानंद सत्संग आश्रम में 24 अगस्त दिन शनिवार को सांय 7:30 बजे से रम्पुरा का कन्हैया प्रतियोगिताष् प्रारंभ होगी जिसमें रम्पुरा के ही बच्चे प्रतिभाग कर सकेंगे ।श्रीमती शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में एक वर्ष से 8 वर्ष तक के बच्चे ही प्रतिभाग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के विजेता श्री कृष्ण बने बच्चे को रम्पुरा का कन्हैया घोषित किया जाएगा और उन्हें चांदी का मुकुट पहनाकर उनसे केक कटवाया जाएगा कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता में जो भी बच्चे शामिल होंगे उन्हें भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा श्रीमती शर्मा ने कहा कि पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के एल ए इंडस्ट्रीज के एम डी कुंदन लाल अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि ग्राम सैजना के पूर्व प्रधान कांग्रेस नेता विजय यादव और कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश कलर लैब के एम डी जगदीश टंडन द्वारा की जाएगी ।

मानसिक रूप से परेशान महिला अधिवक्ता ने लगाई फांसी, सुसाईड नोट भी बरामद

काशीपुर। काशीपुर में एक महिला अधिवक्ता ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं परिजनों ने पुलिस को मृतका द्वारा लिखा सुसाइड नोट दिया। बताया जाता है कि सुसाइड नोट में मृतका ने मानसिक रूप से परेशान होने का जिक्र किया है। उधर घटना से परिवार में कोहराम मच गया। आवास-विकास निवासी तेजवीर सिंह की बेटी रेवा सिंह (25) नैनीताल हाईकोर्ट में एक अधिवक्ता के साथ प्रैक्टिस करती थीं। वह बीती 16 अगस्त को घर आई थी। बीते बुधवार की शाम रेवा सिंह ने अज्ञात कारणों के चलते घर की दूसरी मंजिल के कमरे में पंखे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि घटना के समय घर में माता जसविंदर कौर व बेटी रेवा मौजूद थीं। रेवा घर की दूसरी मंजिल पर कमरे में थी। रात लगभग आठ बजे जब मां जसविंदर कौर ऊपर कमरे में गयी, तो देखा रेवा पंखे से लटकी हुई थी। जिस पर उन्होंने अपने बेटे हरतेज सिंह को फोन करके घर बुलाया। दोनों ने मिलकर रेवा को फंदे की रस्सी काट कर उतारा और पास में स्थित निजी नर्सिंग होम ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। तब परिजन उसे घर ले आए। इसी दौरान किसी ने 112 नंबर पर सूचना दे दी। सूचना मिलने पर टांडा उज्जैन पुलिस चौकी प्रभारी मनोज जोशी पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। उधर, पुलिस पूछताछ में पिता ने मृतका द्वारा लिखा एक सुसाइड नोट पुलिस को दिया गया। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घर में असमय घटी घटना से कोहराम मच गया। बृहस्पतिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया। वहीं पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के मुताबिक रेवा की मौत फांसी लगाने से हुई है।

सीबीआई जांच के लिए आप ने किया प्रदर्शन

गदरपुर (उद संवाददाता)। तस्लीम जहां हत्याकांड को लेकर आम आदमी पार्टी भी अब सड़कों पर उतर आई है और सी बी आई जांच की मांग की। आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष व्यापारी के नेतृत्व में पीड़ित परिजनों द्वारा शांति मार्च निकाला गया। बृहस्पतिवार को लगभग शाम 5 बजे सुभाष व्यापारी के नेतृत्व में राजकीय इंटर कॉलेज के समीप पीड़ित परिजनों सहित अन्य लोग एकत्रित हुए और रैली के रूप में तस्लीम जहां की बेटी और परिजनों को साथ लेकर गुरुद्वारा सिंह सभा तक मार्च निकाला इसमें पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी की गई और तस्लीम जहां की हत्या के मामले में सीबीआई जांच की मांग की गई वही सलीम बाबा ने कहा पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिलना चाहिए वहीं आप नेता मुजम्मिल हुसैन ने बताया कि

तस्लीम जहां हत्याकांड में पुलिस ने गलत खुलासा किया है जिससे परिजन संतुष्ट नहीं है पुलिस को जल्द से जल्द असली कातिलों को पकड़ना चाहिए और सलाखों के पीछे भेजना चाहिए इस दौरान शाकिर अली, नफीस, मोहम्मद रफी, फैजान खान, अकरम, अशरफ, साहिल, मोहम्मद अजीम मोहम्मद यामीन सहित दर्जन लोग मौजूद रहे।

निपुण गगनेजा के निधन पर किया शोक व्यक्त

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर फेडरेशन के जिला उपाध्यक्ष निपुण गगनेजा का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके निधन पर संगठन के जिला कार्यालय सुभाष कालोनी में एक शोक सभा आयोजित की गयी। जिसमे उपस्थित सभी राशन डिपो स्वामियों ने दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की कि उन्हे अपने चरणों में स्थान दे। शोक सभा में प्रदेश अध्यक्ष रेवाधर बृजवासी, प्रदेश कोषाध्यक्ष कुन्दन शर्मा, जिलाअध्यक्ष राजेन्द्र बागा (काली), अशोक बत्रा, प्रवीन कुमार, राजू दूमरा, अशोक सुधा, आनन्द अग्रवाल, सतपाल, रामधनी, धीरज सिंह, अमरीक सिह, रथन चौधरी, डिंपू भुसरी, नरेश अग्रवाल, मदन खन्ना, नरेश सागर, रवि खुराना, विनोद सारस्वत, सार्थक अग्रवाल, किशन ला, माजिद अली, जुझार सिंह, राजेश कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमेश चन्द पाण्डे, अनिल कवकड, अमित बागा, कमल जैन, मनोज पाण्डे आदि उपस्थित रहे।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्ड तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

22 छात्र-छात्राओं का एनसीसी के लिए चयन

बाजपुर (उद संवाददाता)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर की एनसीसी इकाई का भर्ती कार्यक्रम बाजपुर स्थित रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल में संपन्न हुआ। भर्ती कार्यक्रम अठत्तर यूके बीएन एनसीसी बटालियन हल्द्वानी के दिशा निर्देशन में एवं बटालियन के सूबेदार मेजर एस. एन. राव और उनके सहयोगी स्टाफ द्वारा संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. मनप्रीत सिंह, डॉ. पूजा रानी एवं श्री हरीश बूंगला उपस्थित रहे। भर्ती कार्यक्रम में 50 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 22 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। चयनित छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. कमल किशोर पांडे ने शुभकामनाएं दीं।

मुनि भुसरी ने विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री के साथ की चर्चा

गदरपुर (उद संवाददाता)। भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मुनि भुसरी ने प्रदेश के मुखिया पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर गदरपुर क्षेत्र के विकास और समस्याओं के निस्तारण को लेकर चर्चा की।वही प्रदेश के मुखिया धामी ने मुनि भुसरी की पीठ थपथपाते हुए उन्हें आर्शीवाद दिया।मुनि भुसरी ने बताया कि उनकी यह मुलाकात उन्हें हमेशा याद रहेगी। उन्होंने कहा प्रदेश के मुखिया को क्षेत्र के विकास की चिंता है वह लगातार

प्रदेश के साथ साथ गदरपुर क्षेत्र पर विशेष रूप से कार्य कर रहे है।उन्होंने कहा वह प्रदेश के मुखिया से मिलकर व आशीर्वाद प्राप्त कर बहुत खुश है।

5013.05 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

सीमांत गावों के विकास पर खर्च होंगे 130 करोड़: राहत कार्यों एवं पुनर्निर्माण कार्यों, शहरी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेल विश्वविद्यालय के लिए धनवर्षा

गैरसैंण(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण विधानसभा सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को सदन में प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल 5013.05 करोड़ का प्रथम अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। अनुपूरक में पुष्कर सिंह धामी सरकार ने बरसात के मौसम में आपदा से बेहाल क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्यों एवं पुनर्निर्माण कार्यों, शहरी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए बजट पोटली खोल दी। वार्षिक बजट की भांति गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी यानी ज्ञान (जीवाइएएन) को अनुपूरक मांगों में भी प्राथमिकता मिली है। वाइब्रेंट विलेज यानी सीमांत गावों के विकास पर 130 करोड़ की बड़ी राशि खर्च की जाएगी। बड़े निर्माण कार्यों के लिए 748.40 करोड़ की राशि की व्यवस्था कर सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अवस्थापना विकास उसकी शीर्ष प्राथमिकता है। भराड़ीसैंण में विधानसभा सत्र के दूसरे दिन भोजनावकाश के बाद सदन में वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम अनुपूरक मांगें प्रस्तुत कीं। उन्होंने बताया कि अनुपूरक बजट में राजस्व पक्ष में 3756.89 करोड़ और पूंजीगत पक्ष में 1256.16 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। केंद्रपोषित योजनाओं के लिए 1531.65 करोड़ और बाह्य सहायतित योजनाओं के लिए 273.17 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बजट में जन कल्याण को समर्पित योजनाओं को अधिक बल मिला है। आपदा प्रबंधन के अंतर्गत एसडीआरएफ मद में 718.40 करोड़, एसडी एमएफ के अंतर्गत 218.60 करोड़, जिलाधिकारियों को आपदा से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण को 20 करोड़ की राशि दी गई है। अनुपूरक मांगों में समग्र शिक्षा के अंतर्गत 698 करोड़ की राशि खर्च होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि वृहद निर्माण कार्य सरकार की प्राथमिकता हैं। टिहरी झील के विकास को 50 करोड़, नाबार्ड पोषित लघु सिंचाई योजना के लिए 40 करोड़, गो सदनों के निर्माण को 32 करोड़, राज्य संपत्ति विभाग के आवासीय और अनावासीय भवन निर्माण को 25 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

शिक्षण संस्थाओं के अपने भवनों का सपना पूरा करने को सरकार ने प्राथमिकता दी है। राजकीय महाविद्यालयों के निर्माणाधीन भवनों के लिए 14 करोड़, पालीटेक्निकों के लिए भूमि की खरीद अथवा भवन निर्माण के लिए 10 करोड़ की राशि और नर्सिंग कालेजों की स्थापना को 25 करोड़ रुपये दिए गए हैं। नगर निकाय चुनाव से पहले अनुपूरक बजट में शहरी विकास पर धनवर्षा की गई है। आवास एवं शहरी विकास के अंतर्गत 528 करोड़ से अधिक धनराशि खर्च की जा सकेगी। नगरीय अवस्थापना के सुदृढ़ीकरण और बाह्य सहायतित योजनाओं के लिए 192 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के लिए आवास निर्माण को 96.76 करोड़, यूनिटी माल अथवा प्लाजा निर्माण को 69 करोड़, और सीवरेज प्रबंधन कार्यों के लिए एनजीटी के निर्देश पर रिंग फेंसिंग को 120 करोड़ का प्रावधान किया गया है। स्थानीय निकायों के सशक्तीकरण को 45.92 करोड़, स्वच्छ भारत मिशन फेज-एक के लिए चार करोड़, उत्तराखंड शहरी स्थानीय निकाय सुधार प्रोत्साहन निधि को एक करोड़, नजूल भूमि फ्रीहोल्ड करने को जमा धनराशि की वापसी को 50 लाख की राशि अनुपूरक मांगों में सम्मिलित की गई। **विभागवार किसको कितना बजट- धनराशि (हजार रुपये में)** विधानसभा- 36900, मंत्री परिषद-32700, न्याय प्रशासन- 190560 निर्वाचन-30600 राजस्व एवं सामान्य प्रशासन- 9796751 वित्त, कर, नियोजन, सचिवालय अन्य सेवाएं-2071238 आबकारी-23000 पुलिस एवं जेल-1669399 शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण तथा संस्कृति-10037535 चिकित्सा एवं परिवार कल्याण-4126296 जलापूर्ति, आवास एवं नगर विकास-5713900 सूचना-2267000 कल्याण योजनाएं-2008837 श्रम और रोजगार-158666 कृषि कर्म एवं अनुसंधान-1101502 सहकारिता-325098 ग्राम्य विकास-2098295 सिंचाई एवं बाढ़-930204 उर्जा-1851025 लोक निर्माण कार्य-1640000 उद्योग-234537 परिवहन-481552 खाद्य-8150 पर्यटन -658652 वन-401759 पशुपालन संबंधी कार्य-527313 औद्योगिक विकास - 19264 अनुसूचित जातियों का कल्याण- 1097831 अनुसूचित जनजातियों का कल्याण- 591888।

सरकार की आय में हुई बढ़ोतरी: कैग रिपोर्ट में पांच सालों में 6.71 फीसदी की औसत दर से बढ़ी प्रदेश की जीडीपी

देहरादून। उत्तराखंड में राज्य की सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच पांच वर्षों में 6.71 फीसदी की दर से बढ़ा है। हालांकि, अखिल भारतीय सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में राज्य पीछे है, लेकिन कोविडकाल की दुश्वारियों से उबरने के बाद प्रदेश में आर्थिक विकास का पहिया तेजी से घूमने लगा है। यह खुलासा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राज्य वित्त पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट से हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान मूल्यों पर 2018-19 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 2,30,314 करोड़ थी। 2022-23 में यह 3,02,621 करोड़ हो गई। यानी राज्य में आर्थिक विकास 6.71 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर पर बढ़ा। राज्य का बजट आउट टर्न 10.59 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर से बढ़कर 2018-19 में 48,037 करोड़ से 2022-23 में 71,012 करोड़ हो गया। अखिल भारतीय प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद उत्तराखंड से अधिक रही। 2018-19 से2022-23 के दौरान राष्ट्रीय जीडीपी 10.34 फीसदी की औसत दर से बढ़ी। देश के सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष उत्तराखंड राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वार्षिक वृद्धि दर कम रही। केवल वर्ष 2022-21 में उत्तराखंड वृद्धि दर अधिक थी। रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 11.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई। साथ ही इस अवधि में राजस्व प्राप्तियां 14.00 प्रतिशत बढ़ गईं। 2021-22 में 15.82 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 16.22 प्रतिशत हो गया। इस अवधि के दौरान कर राजस्व में 15.10 प्रतिशत की वृद्धि हुई और राज्य के अपने कर राजस्व में 20.65 प्रतिशत इजाफा हुआ। राज्य का कुल व्यय जिसमें राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय तथा ऋण एवं अग्रिम शामिल है। 2021-22 में 11.22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 46,810 करोड़ से बढ़कर 52,061 करोड़ हो गया। इसमें से राजस्व व्यय में 2021-22 से 12.44 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। राजस्व अधिशेष 4,128 करोड़ से बढ़कर 5,310 करोड़ हो गया, जो 2021-22 की तुलना में 28.63 प्रतिशत अधिक है, जबकि राजकोषीय घाटा 2021-22 में3,736 करोड़ से घटकर 2022-23 में 2,949 करोड़ हो गया, जो 21.07 प्रतिशत कम हो गया।

सदन में उत्तराखंड लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली विधेयक समेत आठ विधेयक भी हुए पेश

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को प्रदेश सरकार ने सदन पटल पर अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने पांच हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का अनुपूरक बजट पेश किया। वहीं इसके साथ ही आठ विधेयक भी सदन पटल पर रखे गए। उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916) संशोधन विधेयक 2024। 2-उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959) संशोधन विधेयक 2024। 3-उत्तराखंड लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली विधेयक 2024। 4-उत्तराखंड राज्य विधानसभा विविध संशोधन विधेयक 2024 । 5-उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश और भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) संशोधन विधेयक। 6-उत्तराखंड राज्य क्रीड़ा विश्वविद्यालय विधेयक 2024। 7-उत्तराखंड कामगार और सुधारात्मक सेवाएं विधेयक 2024। 8-विनियोग विधेयक 2024 ।

शिव अरोरा ने सदन में उठाई जिला अस्पताल के स्थानांतरण की मांग

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। गैरसेंण विधानसभा सत्र के दूसरे दिन विधायक शिव अरोरा ने नियम 300 के अन्तर्गत जिला अस्पताल को उसके पुराने स्थान इंद्रा चौक के पास संचालन करने की मांग सदन में रखी। विधायक शिव अरोरा ने कहा रुद्रपुर जिला मुख्यालय होने के साथ उद्योगिक नगर भी है जहाँ बड़ी संख्या मे आबादी निवास करती है, जहाँ 20 वर्ष पूर्व मेडिकल कॉलेज की घोषणा हुई मगर कई सरकार आए और गई लेकिन इसका निर्माण कार्य धरातल पर नहीं हो सका विधायक ने पुष्कर सिंह धामी सरकार का आभार जताया की उनके नेतृत्व मे स्वास्थ्य मन्त्री डॉ धन सिंह रावत के निर्देशन पर रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज आरम्भ होने का सपना अब साकार होनी की ओर है। उन्होंने मांग उठायी कि वर्ष 2025-26 मे रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कक्षाये आरम्भ कराना अति आवश्यक है, जिससे जनहित मे मेडिकल कॉलेज की स्वस्थ सेवाएं आमजन को मिल सके, साथ हीं छात्रों को एमबीबीएस कोर्स को करने की ओर सम्भावनाये बढ़ सके

जिसका स्वस्थ क्षेत्र मे उत्तराखंड राज्य को लाभ होगा। विधायक ने सदन के माध्यम सें कहा वर्तमान मे जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज के परिसर मे सुचारु है या उसका हिस्सा है ओर जैसे हीं मेडिकल कॉलेज आरम्भ हो जायेगा तो जिला अस्पताल की सुविधा समाप्त हो जायेगी ऐसे मे एक नवीन जिला अस्पताल रुद्रपुर मुख्यालय पर प्रस्तावित है तो वही इंद्रा चौक जो जिला मुख्यालय का केंद्र है उसके पास 13 एकड़ भूमि उपलब्ध है जिसमे पहले भी जिला अस्पताल संचालित होता था उसको अपने पुराने स्थान पर संचालित किया जाना जनहित मे सुगम होगा तो वही इंद्रा चौक के पास यातायात के साधन व अवगमन की सुविधा भी अधिक है इसलिये यह स्थान जिला अस्पताल हेतु काफी उपयुक्त है, इसलिये विधायक ने स्वस्थ मंत्री डॉ धन सिंह रावत सें आग्रह किया जनहित मे इसकी स्वीकृति अतिशीघ्र दिया जाना उचित होगा। विधायक शिव अरोरा ने कहा इंद्रा चौक के पास घनी आबादी वाले क्षेत्र रम्पुरा, भदईपुरा, प्रीत बिहार, रेशमबाड़ी, पहाड़गंज, दूधिया नगर, खेड़ा, संजय नगर खेड़ा, गाँधी कालोनी, ट्रांजिस्ट कैम्प जैसे क्षेत्र लगे हुए है जिसका लाभ लाखो लोगो को मिलेगा, साथ ही छोटी बीमारियों का इलाज जिला अस्पताल स्तर पर संभव होगा और अगर बड़ी गंभीर बीमारी होने पर महज 1.5 किलोमीटर के अंतर पर मेडिकल कॉलेज में आमजन अपना इलाज करवा सकेगे, जिससे रुद्रपुर क्षेत्र के गरीब लोगो को गंभीर बीमारी हेतु राममूर्ति, एम्स जैसे हॉस्पिटल हेतु बाहर नहीं जाना पड़ेगा, उन्होंने कहा स्वस्थ के क्षेत्र मे मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल मील का पत्थर सबित होंगे, जनहित मे यह दोनों कार्य बहुत महत्वपूर्ण है ओर उनको पूर्ण विश्वास है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व मे डॉ धन सिंह रावत द्वारा मेडिकल कॉलेज मे एमबीबीएस की कक्षाएं व मुख्यालय पर जिला अस्पताल संचालन की दिशा मे आगे बढ़ेंगे।

नेत्रदान कर अमर हो गए युवा समाजसेवी गगनेजा

गदरपुर (उद संवाददाता)। वार्ड न. 4 सकेनिया रोड़ गदरपुर निवासी कश्मीर लाल गगनेजा के बड़े पुत्र व अंकित गगनेजा के बड़े भाई निपुण गगनेजा का आकस्मिक निधन हो गया। वह राष्ट्रीय योगी सेना के प्रदेश संयोजक थे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। निपुण गगनेजा ने नेत्रदान का संकल्प लिया था। दुख की घड़ी में उस संकल्प को पूरा करने के लिए युवा समाज सेवी मनीष गगनेजा,संजीव अरोड़ा,मनोज गुंबर ने सोचो डिफरेंट संस्था के माध्यम से सी आर मित्तल नेत्रदान केंद्र रुद्रपुर की टीम नेत्रदान करवाए जो सुशीला तिवारी स्थित अर्जुन आई बैंक को भेजे गए जिससे दिवंगत निपुण गगनेजा के नेत्रों से किन्ही दो लोगों के जीवन में रोशनी आएगी। इस दौरान नगर व्यापार मंडल के आह्वान पर नगर के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं नगर के सभी सामाजिक , राजनैतिक,गैर राजनैतिक एवम धार्मिक संगठनों ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

नगर निगम कर्मियों को नि:शुल्क बांटे फलों के पौधे

रूद्रपुर । वर्षा कालीन पौध भेंट कार्यक्रमों की श्रृंखला में निगम परिसर में निगम के कर्मचारियों को पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी व पर्यावरणविद डा. आशुतोष पंत ने नि:शुल्क फलों के पौधे भेंट किए गए। उन्होंने कहा कि पेड़ नहीं हैं तो जीवन नहीं है यह बात सबको समझनी होगी। हमारे सौरमंडल में एकमात्र पृथ्वी ऐसा ग्रह है जहाँ वनस्पति है। इसीलिये जीवन है, वृक्षों से ही सांसे हैं, पानी है। हमें आने वाली पीढ़ियों

के लिए जीने लायक हवा और पानी छोड़ना है तो आज अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचाने के लिए जुनून की हद तक जाने की जरूरत है। सबके सहयोग से प्रतिवर्ष 20 हजार से अधिक पौधे लगाने के लक्ष्य के तहत पिछले 36 वर्षों में 4 लाख 30 हजार पौधे लगाए गए। नगर निगम में कार्यक्रम के आयोजन के लिए नगर आयुक्त नरेश चंद्र दुर्गापाल, उप नगर आयुक्त श्रीमती राजू नबीयाल और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंदोक का उन्होंने आभार व्यक्त किया।

वेंडिंग जोन में 15 सितम्बर तक आवंटित होंगी दुकानें

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसर जिला प्रशासन द्वारा बनाये जा रहे वैंडिगं जोन में 15 सितम्बर तक एनएच-87 से हटाये गये पात्र वैंडरों को होगीं दुकानें आवंटित हो जायेगी। जिलाधिकारी उदयराज सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निगम रूद्रपुर द्वारा बनाये जा रहे वैंडिगं जोन की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को निर्देश दिये कि राष्ट्रीय राजमार्ग-87 से हटाए गए छोट-छोटे दुकानदारों की सूची तैयार करें ताकि वैंडिगं जोन में प्राथमिकता के आधार पर दुकानों को आवंटन किया जा सकें। छोटे छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठानों को पुन: आश्रय देने के लिए नगर निगम रुद्रपुर लगभग 5.50 करोड़ की लागत से वेंडिगं जोन का निर्माण किया जा रहा है, जिसका लगभग 60 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है। वेंडिगं जोन में जी-20 सम्मेलन की तैयारियों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-87 और बाईपास से हटाए गए छोटी-छोटी दुकाने, रेड़ी-ठेली वालों को प्राथमिकता से दुकाने, ठेली आवंटित की जाएगी। उन्होने नगर आयुक्त को दुकानों की नम्बरिगं करते हुए वैंडिगं जोन की पॉलिसी के अनुसार वायलॉज बनाने के निर्देश दिये ताकि पारदर्शिता से दुकानों का आवंटन किया जा सकें।नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल ने बताया कि नगर निगम रुद्रपुर नैनीताल हाईवे पर स्थित नजूल की लगभग 1.25 एकड़ भूमि पर 5.5 करोड़ की लागत से वेंडिगं जोन का निर्माण किया जा रहा है। जिसमे एक करोड़ की धनराशि शासन द्वारा अवमुक्त की गयी है शेष 4.5 करोड़ नगर निगम अपने संसाधनों द्वारा व्यय किया जा रहा है। वैंडिगं जो में 72 दुकानों और 100 वेंडिगं कार्ट (ठेली) का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें 25 दुकानों का कार्य लगभग 80 फीसदी पूर्ण हो चुका है, वेंडिगं जोन में पेयजल और शौचालय के साथ ही बैठने के लिए वैंच आदि की भी व्यवस्था होगी। कार्यदायी संस्था नगर निगम रुद्रपुर ने इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य माह सितम्बर रखा है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, पंकज उपाध्याय, नगर आयुक्त नरेश चन्द्र दुर्गापाल, उप नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, ओसी गौरव पाण्डेय, अधिशासी अभियंता सिंचाई पीसी पाण्डे, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल, अधिशासी अभियंता विद्युत आदि थे।

भाजपा का सदस्यता अभियान एक सितम्बर से

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भाजपा के संगठन पर्व सदस्यता अभियान-2024 के तहत देहरादून में आयोजित प्रदेश कार्यशाला से लौटकर प्रदेश मंत्री विकास शर्मा ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 22, 23, और 24 अगस्त को जिलों में जिला सदस्यता कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 26, 27, और 28 अगस्त को मण्डल सदस्यता कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। विकास शर्मा ने बताया कि सदस्यता अभियान को व्यापक रूप से सफल बनाने के लिए बूथ स्तर पर भी तैयारी की जा रही है। 31 अगस्त को बूथ टोली का प्रशिक्षण किया जाएगा, जिसके पश्चात सदस्यता अभियान दो चरणों में विभाजित होगा। पहला चरण 1 सितंबर से 25 सितंबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण

1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश मंत्री विकास शर्मा ने कहा कि हमारी पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है, कांग्रेस की तरह की नहीं कि राजुकुमार और राजकुमारी के आदेश पर सब कुछ हो, भारतीय जनता पार्टी सभी कार्यों को पारदर्शिता से करती है भारतीय जनता पार्टी में अध्यक्ष से लेकर सदस्य तक प्रत्येक व्यक्ति अपना सुझाव दे सकता है और सवाल पूछ सकता है यही कारण है कि हमारी पार्टी का प्रत्येक सदस्य ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है। अभियान का उद्देश्य पार्टी के संगठन को और सशक्त बनाना है। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता इस अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों को भाजपा के साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे। विकास शर्मा ने बताया कि यह अभियान पार्टी के विस्तार और जनता के बीच पार्टी की विचारधारा को पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश कार्यशाला में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया और सदस्यता बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर विचार -विमर्श किया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि इस अभियान से पार्टी को राज्य में और मजबूती मिलेगी।

उज्जैन में ठुकराल ने किये महाकाल के दर्शन

उज्जैन।श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने पहुंचे पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने उज्जैन के काल भैरव समेत अन्य मंदिरों में भी दर्शन किए

और शहर वासियों के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग महाकाल की भस्म आरती श्रृंगार आरती में पूर्व विधायक राजकुमार ठकराल अपने साथियों संग उपस्थित रहे। इसके साथ ही प्रात: 3:00 बजे से होने वाली महाकालेश्वर श्रृंगार एवं भस्म आरती में शामिल होकर उन्होंने शहर वासियों के उत्तम लाभ एवं सुख शांति की मंगल कामना की। इसके साथ ही उन्होंने उज्जैन स्थित श्री काल भैरव, विश्व में एकमात्र स्थित श्री मंगलनाथ मंदिर में भी पूजा अर्चना कर दर्शन किये, जिसके बाद श्री गढ़ कालिका मंदिर में माँ का आशीर्वाद लिया। भगवान श्री कृष्ण की उज्जैन स्थित ऋषि संदीपनि के दर्शन किये जहा से भगवान श्री कृष्ण ने 64 विद्याएं और 16 कलाएं यही ग्रहण की थी। इस यात्रा के दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के साथ जगदीश सुखीजा,पत्रकार राजीव चावला, राजेश ग्रोवर, राजकुमार भुसरी, अजय नारायण, आनंद शर्मा, ललित बिष्ट मौजूद रहे।

संस्कृत महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह का समापन

हल्द्वानी। श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह समापन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्वानों ने विभिन्न शास्त्रों, संस्कृत भाषा महत्व, ऋषि मुनियों द्वारा रचित पुराणों पर चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साकेत अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि यशोदा प्रसाद सिमल्टी, सारस्वत अतिथि डाक्टर गोपालदत्त त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। शिक्षालय के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत तथा आंचलिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि साकेत अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि संस्कृत एक वैज्ञानिक भाषा है।जिसे कम्प्यूटर भी बड़ी सरलता से प्रदर्शित कर लेता है। संस्कृत भाषा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास हम सभी को मिलकर करना होगा। विशिष्ट अतिथि यशोदा प्रसाद सिमल्टी ने कहा कि संस्कृत भाषा सनातन धर्म में

का महत्व जानकर हमारे प्राचीन ग्रंथों का अध्ययन कर आविष्कार करने का प्रयास कर रहे हैं। डाक्टर गोपालदत्त त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत भाषा सनातन धर्म में ही एक ऐसी भाषा है जिसने अनेक भाषाओं को जन्म देकर मानव जीवन में लाभ पहुंचाया है। मोहित जोशी ने संस्कृत भाषा के विकास पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि संस्कृत भाषा का पूर्ण रूप से विकास तभी सम्भव है, जब केन्द्र तथा प्रदेश सरकार भी रूचि लेने का प्रयास करें। कार्यक्रम का संचालन साकेत पाठक ने किया। इस अवसर पर मोहन गिरी गोस्वामी, डाक्टर नवीन चन्द्र बेलवाल, डाक्टर नारायण दत्त थुवाल, डाक्टर जगदीश पाण्डेय, कृष्ण चन्द्र बेलवाल, विजय भट्ट, कीर्ति बल्लभ कलौनी, जानकी त्रिपाठी, रजनी बेलवाल, कृष्ण चन्द्र पाण्डेय, दीप जोशी, मोहित जोशी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे । जन्म से लेकर मरणोपरांत तक जीवन को शुभता प्रदान करती है। प्राचार्य मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि संस्कृत भाषा

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के दिशा निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुबीर कुमार के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल श्रीमती बीनू गुलयानी द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज बगड नैनीताल मे विधिक जगरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता अभियान के दौरान साइबर अपराध

जैसे एआई टूल्स, लिंक्स, ओटीपी से हो रहे साइबर अपराध की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा अपराध से बचने के लिए बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में जागरूक किया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकलाप, छात्रों से युवा पीढ़ी में नशे के बढ़ते मामलों व नशे से संबंधित शारीरिक एवम सामाजिक दुष्प्रभाव, संबंधित दंडात्मक प्रावधान, किशोर न्याय बोर्ड, पॉश एक्ट आदि विषयों पर जागरूक किया गया।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

महिला अपराधों में शामिल नेता

महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध का कोई मामला जब तूल पकड़ते हैं, तब उसे लेकर सवाल उठाने वालों, विरोध प्रदर्शनों का आह्वान करने और उसमें हिस्सा लेने वालों में बहुत सारे नेता और खासतौर पर जनप्रतिनिधि भी मुखर रूप से शामिल होते हैं। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जो जनप्रतिनिधि इस सवाल पर आक्रोशित जनता के साथ खड़े दिखते हैं, वे खुद अपने सहयोगियों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के आरोपों को लेकर ज्यादा गंभीर नहीं होते। यह छिपा तथ्य नहीं है कि हर चुनाव में ऐसे लोग भी बतौर उम्मीदवार किसी सीट पर अपना दावा पेश करते हैं और उनमें से कई जीत कर जनप्रतिनिधि भी बन जाते हैं, जिन पर गंभीर अपराधों के आरोप होते हैं। अगर किसी जनप्रतिनिधि पर महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध करने या उसमें शामिल होने का आरोप है, तो उससे महिलाओं के हक में ईमानदार लड़ाई की कितनी उम्मीद की जा सकती है! जनता के नुमाइंदे कहे जाने वाले जो लोग खुद गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोपी होते हैं, वे कानून बनाने या बचाने के दायित्व के प्रति कितने गंभीर हो सकते हैं? यह बेवजह नहीं है कि चुनावी नैतिकता और शुचिता की मांग के बावजूद आज भी अच्छी-खासी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि हैं, जिन पर गंभीर अपराधों के आरोप हैं। ये मामले जगजाहिर रहे हैं, मगर इसे एक बार फिर एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिसर्च ने जारी किया है, जिसमें पिछले पांच वर्ष में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे एक सौ इक्यावन सांसदों-विधायकों को चिह्नित किया गया। इनमें सोलह पर बलात्कार जैसे जघन्य अपराध का आरोप है। सभी आरोपों को सिर्फ राजनीतिक बदला या साजिश बता कर खारिज नहीं किया जा सकता। विडंबना यह है कि ऐसे मामलों में जांच, सुनवाई और फैसला लंबे समय तक टलता रहता है। चुनाव आयोग भी ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने और जीत कर जनप्रतिनिधि के रूप में काम करने को लेकर कोई स्पष्ट रुख तय नहीं कर पाता! ऐसे दागी नुमाइंदों को लेकर नरम रवैया क्या एक बड़ी वजह नहीं है कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के खिलाफ कोई ठोस और नतीजा देने वाली व्यवस्था खड़ी नहीं हो पा रही?

पायलट बाबा को हरिद्वार के आश्रम में दी गई महासमाधि

हरिद्वार। हरिद्वार। महामंडलेश्वर महायोगी पायलट बाबा को आज उनकी अंतिम इच्छा अनुसार हरिद्वार के आश्रम में महासमाधि दी गई। पायलट बाबा को श्रद्धांजलि देने के लिए संतों व भक्तों का सैलाब उमड पडा। सभी 13 अखाडों के पदाधिकारी, महामंडलेश्वर, श्रीमहंत, महंत, विभिन्न दलों के नेता, देश के बड़े उद्योगपति व कारोबारी उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। उनके शिष्य महामंडलेश्वर साध्वी चेतनानंद गिरी महाराज व साध्वी श्रद्धा गिरी महाराज ने उन्हें समाधि दी। उसके बाद शंभू रोटए धूल लौट व तिये का कार्यक्रम हुआ। बुधवार को मुंबई से उनका पार्थिव शरीर हरिद्वार स्थित आश्रम पहुंचा। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए संत, श्रद्धालु और अन्य भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। श्री पंचदश नाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर महायोगी पायलट बाबा मंगलवार को मुंबई के अस्पताल में ब्रह्मलीन हो गए थे। उनके पार्थिव शरीर को आश्रम लाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी उनके निधन पर शोक जताया। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज, जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज, श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज, जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय सचिव श्रीमहंत महेशपुरी, सचिव श्रीमहंत शैलेंद्र गिरि महाराज, सचिव सहजानंद गिरी महाराज, थानापति धर्मेंद्र गिरी महाराज, प्रेमानंद गिरी महाराज, साध्वी चेतनानंद गिरी महाराज, साध्वी श्रद्धा गिरी महाराज समेत जूना अखाड़ा के महंत, श्रीमहंत, महामंडलेश्वर समेत हजारों साधु-संतों व भक्तों ने महायोगी पायलट बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि महामंडलेश्वर महायोगी पायलट बाबा का निधन मंगलवार को मुंबई के एक अस्पताल में हो गया था। जिसके बाद बुधवार को उनका पार्थिव शरीर हरिद्वार लाया गया। बुधवार से ही उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए संत समाज के साथ ही आम लोग हरिद्वार पहुंच रहे थे।बता दें कि पायलट बाबा के नाम से मशहूर बाबा पहले वायुसेना में थे। पायलट बाबा का पुराना नाम कपिल सिंह था। उनका जन्म बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में एक राजपूत परिवार में हुआ था। उन्होंने उच्च शिक्षा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से प्राप्त की थी। जिसके बाद उनका चयन वायुसेना में हो गया और बाबा विंग कमांडर बनकर वायुसेना का हिस्सा बन गए। साल 1962, 1965 और 1971 के युद्ध में पायलट बाबा ने प्रतिभाग किया था। जिसके लिए बाबा को सम्मानित भी किया गया था। बताया जाता है कि साल 1996 में जब बाबा मिग विमान भारत के पूर्वोत्तर में उड़ा रहे थे तो उनके साथ हादसा हुआ था और विमान से उन्होंने नियंत्रण खो दिया था। इस दौरान उन्हें उनके गुरु हरि गिरी महाराज के दर्शन प्राप्त हुए और उन्हें वहां से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसी दौरान उन्हें वैराग्य प्राप्त हुआ और इसके बाद उन्होंने सन्यास ले लिया।

मूसलाधार बारिश से थराली में तबाही, मंदिर और पुल बहा

देहरादून समेत चार जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट, नदियां उफनायी

देहरादून/चमोली। उत्तराखंड में बृहस्पतिवार देर रात से बारिश जारी है। थराली में बारिश आफत बनकर बरसी। यहां प्राणमति नदी उफान पर आ गई। जिससे पिंडर नदी में संगम के पीछे झील बनने लगी। प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए सभी घर खाली करा दिए। इस दौरान नदी किनारे के करीब 25 से अधिक घरों में दो मंजिल तक पानी घुस गया। करीब आधे घंटे बाद पिंडर नदी भी उफान पर आ गई। जिसके वेग ने प्राणमति नदी द्वारा बन रही झील को तोड़ दिया, फिर इन घरों से पानी घुस गया। घरों में मलबे के ढेर लग गए। साथ ही थराली का पौराणिक शिव मंदिर भी बह गया। बेतालेश्वर मंदिर ओर सरस्वती शिशु मंदिर में पानी ओर मलबा घुस गया। रात भर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर रहर। जबकि प्राणमति ओर पिंडर नदी के किनारे के लोगों ने रतजगा किया। वहीं, देवाल के बगड़ीगाड़ में भी अतिवृष्टि से नुकसान हुआ है। यहां भी कई घरों में मलबा और पानी घुसा है। उधर, एक पुल भी बह गया। बारिश से देवाल- थराली सड़क नंदकेशरी के पास पालेभ्योल में मलबा आने से बंद हो गई है।बीते तीन दिनों से रोज रात में हो रही मूसलाधार बारिश दूनघाटी, मसूरी और बांदलघाटी के लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। बृहस्पतिवार शाम से छह घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश से शहर में मुसीबतों की बाढ़ आ गई। बिंदाल नदी उफान पर आने से बस्ती में कई घरों में पानी घुस गया। साथ ही क्लेमेंटटाउन झील में भी बाढ़ आ गई। यहां चोपड़ा हाउस में मां और बेटे फंस गए, जिन्हें पुलिस ने बचाया। मौके पर देर रात एसडीआरएफ तैनात कर दी गई। साथ ही एयरफोर्स के सुरक्षा अधिकारियों ने भी स्थिति संभालने में पुलिस और एसडीआरएफ की मदद की। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून समेत चमोली, नैनीताल और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बागेश्वर जिले में भारी से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अन्य जिलों में भी कई दौर की तेज बारिश होने के आसार हैं। देवप्रयाग में गंगा खतरे के निशान से दो मीटर ऊपर बह रही है। सुबह से अलकनंदा नदी के जलस्तर में पांच मीटर की बढ़ोतरी हुई है। देवप्रयाग स्थित श्राद्ध भवन, फुलाड़ी घाट और नमामि गंगे के द्वारा बनाया गया टोडेश्वर घाट नदी में डूब गए हैं। श्रीनगर में भी अलकनंदा का जल स्तर चेतावनी स्तर से ऊपर है। यहां भी घाट डूब चुके हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने आने वाले दिनों में कुछ पर्वतीय जिलों में मूसलाधार बारिश होने की आशंका जताई है। जिसके चलते संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन होने के साथ नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है। हिदायत देते हुए कहा, संवेदनशील इलाकों में बारिश के दौरान दिन के साथ रात के समय में भी सतर्कता से रहें। खासकर चारधाम यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को यात्रा के दौरान सावधानी से चलने को कहा गया है। इसके लिए मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से सलाह दिए गए हैं। अगस्त के शुरूआत से ही प्रदेश के कुछ जिलों में हो रही मूसलाधार बारिश लोगों की परेशानी बढ़ाए हुए है। आलम यह है कि गढ़वाल मंडल में तो चमोली और देहरादून जिले में अभी तक सबसे ज्यादा बारिश हो चुकी है। जबकि कुमाऊं मंडल के बागेश्वर में सामान्य से अधिक बारिश होने के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।आंकड़ों पर नजर डालें तो चमोली जिले में 360. 1 एमएम बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से बारिश से 83 फीसदी है। जबकि दूसरे नंबर पर देहरादून जिला है, यहां अगस्त के 22 दिनों में कुल 483 एमएम बारिश हो चुकी है, जो सामान्य वर्षा से 25 फीसदी अधिक है। गढ़वाल के बाकी जिलों में सामान्य बारिश हुई है। पूरे प्रदेश भर की बात करें तो सबसे ज्यादा बारिश कुमाऊं के बागेश्वर जिले में हुई है, यहां 721.8 एमएम बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश के आंकड़े से 279 फीसदी अधिक है। सबसे कम बारिश की बात करें तो पौड़ी जिले में सबसे कम 189.6 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य बारिश से 47 फीसदी कम है। कम बारिश के मामले में दूसरे नंबर पर कुमाऊं का चंपावत जिला है, यहां बृहस्पतिवार तक सिर्फ 184.8 एमएम बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य वर्षा से 38 फीसदी कम है। वहीं, पूरे प्रदेश भर में 22 अगस्त तक 325 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो सामान्य बारिश से सिर्फ नौ फीसदी अधिक है।

कार्यशाला में छात्र छात्राओं को पढ़ाया कानून का पाठ

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। आरएएन पब्लिक स्कूल में कक्षा 10 से 12 के छात्रों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 31 वी वाहिनी पी.ए.सी. प्रशिक्षण केंद्र से एसआई पुष्कर सिंह लसपाल, नरेंद्र मेहरा और श्याम पाल सिंह रावत ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। कार्यशाला की शुरुआत माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद, पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को विभिन्न कानूनों की जानकारी दी और उन्हें हमेशा नियमों और कानूनों का पालन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नए कानून के बारे में तथा जिन कानून में सुधार किया गया है उनके बारे में भी जानकारी दी उन्होंने बताया कि कानून को और भी ज्यादा सख्त कर दिया गया है तथा उनका शक्ति से पालन करना पालन करना अनिवार्य है । उन्होंने कहा कि अगर छात्रों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़े, तो वे बिना किसी हिचकिचाहट के पुलिस से संपर्क करें क्योंकि पुलिस को कानूनों की गहरी जानकारी होती है और वे सही समाधान प्रदान कर सकते हैं। अधिकारियों ने छात्रों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की भी सलाह दी, ताकि वे खुद को और दूसरों को सुरक्षित रख सकें। स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती भावना भनोट ने पुलिस अधिकारियों को छात्रों के साथ मूल्यवान जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने जीवन में कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें ताकि वे एक सफल और अनुशासित जीवन जी सकें। कार्यशाला में सभी ने पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गई महत्वपूर्ण जानकारियों की सराहना की और उनके निर्देशों का पालन करने का संकल्प लिया।

छात्रवृत्ति योजना के लिए चयनित होने पर महक का किया स्वागत

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति हेतु जनपद से चयनित 25 खिलाड़ियों में आयु वर्ग 13 से 14 वर्ष (बालिका वर्ग) में शक्तिफार्म नम्बर दो गुरुग्राम निवासी शक्ति शिशु उच्च प्राथमिक विद्यालय की कक्षा 8 की छात्रा महक सरदार पुत्री राधाकांत सरदार ने जनपद में आठवां स्थान प्राप्त कर जनपद में अशासकीय सहायता प्राप्त शक्ति शिशु उच्च प्राथमिक विद्यालय शक्ति फार्म जनपद उधम सिंह नगर का नाम रोशन किया है। इस खुशी के मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश चंद्र शर्मा खेल प्रशिक्षक /प्रभारी पंकज राय, विद्यालय के प्रबंधक गोपाल सरकार, अध्यक्ष अमल मंडल, उप प्रबंधक चितरंजन मिरबहर, उपाध्यक्ष माखन लाल मंडल, जयंती सरकार,रेखा गाईन, सपना गाईन, शिवदास मजूमदार, प्रधान अध्यापक प्राथमिक वर्ग सुजीत विश्वास, नारायण राय, शांति राम भंडार सहित छात्र छात्राओं ने महक सरदार को उनकी इस सफलता पर शुभकामनाएं दी।

ठंडी सड़क पर अवैध पार्किंग व अतिक्रमण के खिलाफ चला अभियान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेई, सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट, कोतवाल उमेश मलिक एवं विजय मेहता चौकी इंचार्ज मंडी सहित नगर निगम की टीम ने ठंडी सड़क, नैनीताल रोड में अभियान चलाकर नो पार्किंग में खड़ी 20 गाड़ियों के चालान किये। जबकि एक ठेला जब्त किया। इससे पूर्व रात्रि को छापेमारी के दौरान पुलिस द्वारा शिकायत मिलने पर 9 लोगो को लोक शांति भंग के चलते गिरफ्तार किया था। नैनीताल रोड की ठंडी सड़क पर जनता द्वारा जिलाधि कारी को दी गई शिकायत के बाद जिलाधिकारी ने टीम गठित कर ठंडी सड़क पर अवैध पार्किंग और फल और ठेले के खिलाफ कार्रवाई करने के

निर्देश दिए थे। जिसके क्रम में गुरुवार शाम भी सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई के नेतृत्व में प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की। ठंडी सड़क में अवैध पार्किंग कर लगाए गए 20 गाड़ियों का चालान किया गया। जबकि अवैध रूप से लगाए गए एक ठेले को जब्त किया गया। इससे पूर्व रात्रि को जिला प्रशासन द्वारा छापेमारी अभियान चलाया गया जिसके 2 घंटे बाद दोबारा इस स्थान पर फड़ और ठेले लगा दिए गए थे। जिस पर प्रशासन द्वारा रात को पुनः कार्रवाई करते हुए लोक शांति भंग के आरोप में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई ने बताया कि ठंडी सड़क में अवैध पार्किंग और अवैध फड़, ठेले से लगातार जाम लगता है। जिससे लोगों को परेशानी होती है। इसकी शिकायत जिला अधिकारी को मिली जिसके बाद टीम गठित करते हुए त्वरित कार्रवाई की गई है और साथ ही व्यापारियों और लोगों से भी अपील की गई है कि ठंडी सड़क पर ना तो ठेला लगाए और ना ही अवैध पार्किंग करें अन्यथा यह कार्रवाई बदस्तूर जारी रहेगी।

गैंगस्टर एक्ट में फरार पति पत्नी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुखानी थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष मुखानी पंकज जोशी द्वारा गैंगस्टर एक्ट बनाम शेखर चंद पांडे पुत्र गणेश दत्त पांडे निवासी छडायल नयाबाद आदि पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना उमेश मलिक प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के सुपुर्द की गई। इस मुकदमें में आरोपी

शेखर चंद्र पांडे व तनुजा पांडे पति -पत्नी गिरफ्तारी से फरार चल रहे थे। जिनकी गिरफ्तारी हेतु विवेचक उमेश मलिक प्रभारी निरीक्षक कोतवाली द्वारा 55 सीआरपीसी का नोटिस गिरफ्तारी हेतु थाना पुलिस को दिया गया। मामले में कार्यवाही करते हुए थानाध्यक्ष मुखानी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त शेखर पांडे पुत्र गणेश दत्त पांडे व उसकी पत्नी तनुजा पांडे निवासीगण छडायल नयाबाद मुखानी को ग्राम डूंगरपुर हल्दुचौड़ से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में उनि बलवंत कंबोज, का.रविंद्र खाती व महिला हेका. आशा शामिल थे।

राज्य आंदोलनकारियों ने सीएम को भेजा आभार पत्र

किच्छा(उद संवाददाता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों को राज्य में सरकारी नौकरियों में 10% क्षैतिज आरक्षण दिए जाने पर आंदोलनकारियों ने आभार व्यक्त किया है तथा एक आभार पत्र प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के महामहिम राज्यपाल को भी उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया है। उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा के माध्यम से भेजे गए आभार पत्र में नगर के समस्त राज्य निर्माण आंदोलन कारियों ने सीएम के साथ साथ उत्तराखंड के राज्यपाल द्वारा आरक्षण बिल को अनुमोदित करने पर उनका भी आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ वरिष्ठ राज निर्माण आंदोलनकारी एवं समाजसेवी दिनेश भाटिया ने इस अवसर पर कहा कि उत्तराखंड राज्य के निर्माण में जिन लोगों ने शहादत दी है तथा जिन लोगों ने कठोर संघर्ष किया है उन्हें भुलाया नहीं जा

सकता है। आज उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन कारियों को सरकार द्वारा जो भी सुविधा प्रदान की जा रही हैं वह हमारे बलिदानी , संघर्षशील आंदोलनकारियों की ही बदौलत संभव हुआ है। जिन्होंने राज्य निर्माण के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी सरकारें उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य करती आ रही है किंतु जिस प्रकार राज्य के पुष्कर धामी की सरकार द्वारा राज्य आंदोलनकारी को पेंशन क्षैतिज आरक्षण सहित तमाम सुविधाएं प्रदान की है वह आंदोलनकारियों के लिए एक पुरस्कार स्वरूप है। उन्होंने आशा व्यक्ति की कि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों की अन्य सभी समस्याओं का भी शीघ्र निराकरण होगा उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन कारियों की जितने भी समस्याएं इस समय हल होना बाकी रह गई है उन्हें सरकार शीघ्र ही हल करके अपने कर्तव्यों का पूर्ण रूप से निर्वहन करें। आभार पत्र प्रेषित करने वालों में निवर्तमान सभासद पुष्कर रौतेला, अज्जू जोशी, अमरीक सिंह, मुन्ना लाल पाठक, हरीश पाठक आदि राज्य निर्माण आन्दोलन कारी उपस्थित थे।

तिलियापुर में ग्रामीणों ने किया पौधारोपण

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर प्रदेश भर में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ग्राम सभा तिलियापुर में ग्रामीणों के साथ ग्राम प्रधान पति पूरन डसीला एवं ग्राम विकास अधिकारी अजय कुमार ने पौधारोपण किया। इस दौरान ग्राम प्रधान पति व समाजसेवी पूरन डसीला ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य, वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग

से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है। उन्होंने ग्रामीणों से इस अभियान का हिस्सा बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्रामीण अपने घर-आँगन, खेत में अपनी मां के साथ या मां की स्मृति में पौधरोपण अवश्य करे। साथ ही इस अभियान में अधिक से अधिक लोग शामिल होकर धरा को, हरा- भरा बनाने में अपना योगदान दें, साथ ही पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ाने हेतु पौधों को जीवित रखने का संकल्प ले। इस मौके पर पूनम, लीला, बिमला देवी, संजीत कुमार, सुभाष प्रसाद, संजय, राजकुमार आदि मौजूद थे।

पेज एक का शेष...

बढ़ रही हादसों की रफ्तार...अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। हादसों के पीछे मुख्य वजह सुरक्षा के प्रति लापरवाही और यातायात नियमों का पालन न करना माना जा रहा है। यदि लोग यातायात नियमों का पालन करें तो सड़क हादसों के ग्राफ में कमी आ सकती है। सीपीयू और यातायात पुलिस को यातायात व्यवस्था बनाने और यातायात नियमों का पालन कराने की जिम्मेवारी सौंपी गयी है, लेकिन पुलिस और सीपीयू के जवान चालान की खानापूर्ति में ही व्यस्त नजर आते हैं। जिसके चलते सड़कों पर तेज रफ्तार, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने ,शराब पीकर वाहन चलाने पर, रॉंग साईड पर वाहन चलाने वालों पर कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है। तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी ही अक्सर हादसे का सबब बन जाती है। दरअसल पुलिस और सीपीयू लकीर की फकीर बनी हुयी है। बिना हेलमेट और बाइक पर तीन सवारी बैठाना ही पुलिस और सीपीयू को यातायात नियमों का उल्लंघन लगता है, इसके अलावा सड़क पर होने वाली तमाम तरह की मनमानी इन्हें नजर नहीं आती। शहर में हजारों की संख्या में सड़कों पर दौड़ रहे ई रिक्शा चालक आये दिन हादसों को दावत देते नजर आते हैं। हालत यह है कि तमाम ई रिक्शा चालकों को सड़क पर चलने के नियम तक ठीक से मालूम नहीं। अचानक सवारी बैठाने या उतारने के लिए बीच सड़क पर टुक टुक को रोक देना या अचानक बिना इंटीगेटर के ई रिक्शा को मोड़ देना, ई रिक्शा चालकों के लिए रोज की बात है। कई ई रिक्शा चालक तो तेज आवाज में म्यूजिक चलाकर वाहन चलाते हैं या फिर कई बार इनके कानों में हेडफोन लगे होते हैं। जांच की जाये तो कई ई रिक्शा चालक नशे में वाहन दौड़ाते मिल जायेंगे। ई रिक्शा चालकों की इस तरह की लापरवाहियां कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। इसके अलावा मुख्य सड़कों पर रॉंग साईड पर चलने वाले वाहन कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। खासकर एनएच 74 और नैनीताल हाईवे पर कई जगह कट नहीं होने के कारण लोग जल्दी पहुंचने के चक्कर में काफी दूरी तक वाहनों को रॉंग साईड दौड़ाते हैं। हाईवे पर यह सिलसिला कई किलोमीटर तक चलता है, जिसके कारण कई बार दुर्घटनायें हो चुकी हैं। लेकिन इनसे पुलिस प्रशासन सबक नहीं ले रहा। कहने को जिलाधिकारी खुद हर माह सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर सड़क हादसों को रोकने के लिए सख्त निर्देश देते हैं, लेकिन डीएम के ये आदेश सिर्फ कागजों तक ही सीमित नजर आते हैं। धरातल पर इन हादसों का असर होता तो हादसों का ग्राफ तेजी से नहीं बढ़ता।

सड़क हादसे में बाल बाल बचा...बाद कार परशुराम चौराहा के चबूतरे से टकराकर सड़क की दूसरी ओर जा पहुंची। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक वाहन को नो इंट्री के बावजूद शहर में लेकर आया था। पुलिस ने ट्रक चालक को अपनी हिरासत में ले लिया है। घटना के बाद मौके पर वाहनों का लम्बा जाम लग गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को मुख्य मार्ग से हटाकर यातायात सुचारू कराया। जानकारी के अनुसार आज प्रातः करीब 7 बजे विशाल मेगामार्ट के सामने स्थित परशुराम चौक पर हल्द्वानी की ओर से कार संख्या यूके 04 टी 7079 में आदर्श कालोनी गली नम्बर 6 हल्द्वानी निवासी गुरप्रीत सिंह चौहान अपने पिता वीके चौहान, माता पूजा चौहान भाई गुमीत सिंह व जजप्रीत सिंह के साथ हल्द्वानी से दिल्ली की ओर जा रहा था। कार जब यहां विशाल मेगामार्ट के सामने स्थित परशुराम चौक पर पहुंची तो कार चालक गुरप्रीत ने सामने जाते ट्रक संख्या यूके 06 टीबी 3831 से तेजी से ओवर टेक करने की कोशिश की। जिससे कार ट्रक के बाई ओर से टकरा गई और तेजी से घूमती हुई ट्रक के आगे से टकराती परशुराम चौक के चबूतरे को तोड़ती सड़क की दूसरी ओर जा पहुंची। इस दुर्घटना में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार लोगों में चीख पुकार होने से आस पास मौजूद लोग तत्काल वहां पहुंचे और उन्होंने कार में बैठे सभी लोगों को सकुशल बाहर निकाला। कार चालक को चोट लगी थी जबकि परिवार के अन्य सदस्यों ने गुम चोट लगा होना बताया। लोगों ने ट्रक चालक को मौके पर दबोच लिया। मामले की सूचना मिलते ही सीपीयू कर्मी भी वहां आ गये। उन्होंने ट्रक चालक पहाड़गंज निवासी माजिद को अपनी हिरासत में ले लिया। घटना के तत्काल बाद मुख्य मार्ग पर दोनों ओर लम्बा जाम लग गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को मुख्य मार्ग से हटाकर यातायात सुचारू कराया। सीपीयू पुलिस का कहना है कि ट्रक चालक नो इंट्री में वाहन शहर में लेकर आया है।

सिस्टम की लापरवाही...कि घटना से मात्र 200 मीटर दूरी डीडी चौक से सीपीयू को पहुंचने में इतने देर लग गयी। सुशील गावा ने बढ़ रहे हादसों के लिए सिस्टम को जिम्मेवार ठहराया। उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले हाईवे पर गर्भवती महिला सहित चार लोगों की हादसे में मोत हो गयी और आज फिर पांच लोग मरने से बाल बाल बचे हैं, यह कहीं न कहीं सिस्टम की लापरवाही का परिणाम है। गावा ने कहा कि सड़कों पर यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों को सबक सिखाया जाना चाहिए। सीपीयू और पुलिस चालान काटने तक सीमित न रहे बल्कि यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराये। गावा ने कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था बुरी तरह चौपट है लेकिन कोई जिम्मेवार लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए जनता को खुद भी जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने शीघ्र सख्त कदम नहीं उठाये तो वह धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

विधानसभा में बोले बेहड़ ..और जमीनों पर कब्जा और छुड़ाने का काम बखूबी करवाते है। इसके एवज में मोटा पैसा लिया जाता है। श्री बेहड़ ने आगे कहा ट्रक संचालन के नाम पर 1-2 लाखे रूपये की रिश्वत ली जा रही है। इसके लिये पुलिस द्वारा प्राईवेट लोगों को लगा रखा है जो खुलेआम वसूली करते है। श्री बेहड़ ने कहा कि क्षेत्र में विदेश भेजे जाने के नाम पर कबूतरबाजी की घटनायें आये दिन हो रही है। एक-दो केस निपटाने के बाद पर्चीया काटी जा रही है। श्री बेहड़ ने कहा कि एक उनका केस था जिसे उन्होंने उच्चाधिकारियों से नैनीताल जिले में ट्रांसफर करने के लिये कहा था। केस के ट्रांसफर होने से पहले ही पुलिस ने एक पक्ष से पैसा लेकर केस को निपटा दिया गया और उसके बाद ही उस केस को नैनीताल जिले में ट्रांसफर किया गया। श्री बेहड़ ने गदरपुर की नर्स के साथ रेप और हत्या का मामला उठाते हुये कहा कि जब ऐसी घटनायें दूसरे प्रदेशों में होती है तो हम सब बयानबाजी करते है और निन्दा करते है। लेकिन जब ऐसी घटना हमारे यहां हुई तो किसी का कोई बयान नही आया और न ही मुआवजा दिये जाने की बात की गई। आखिरकार हमारा समाज और प्रदेश किस दिशा की ओर जा रहा है?श्री बेहड़ ने प्रदेश में हो रहे लूट-खसोट पर प्रहार करते हुये कहा कि आज हमारे प्रदेश को जमकर लूटा जा रहा है और हम इसे लुटवा रहे है। इसपर हम सबको विचार करने की जरूरत है।

घर में घुसकर... से मारने पीटने लगे। इस दौरान एक हमलावर ने चापड़ से उसके सिर पर जान से मारने की नियत से बार किया। तभी भाई उसे रोकने लगा तो बचाव के दौरान चापड़ भाई गुलशाद के हाथ में जा लगा जिसे उसके हाथ का अंगूठा पूरी हड्डी सहित कटकर अलग हो गया। शोर शराबा होने से आस पास के लोग एकत्र हो जाने पर हमलावर पुनः पूरे परिवार को जाने से मारने की धमकी देते हुये वहाँ से भाग गये। घटना से उसका पूरा परिवार काफी भयभीत है और जान माल खतरा बना हुआ है।

ट्रक के नो..सीमाओं पर भारी वाहनों को प्रवेश करने से रोकने के लिए तैनात किये जाते हैं। एसएसपी के निर्देशों की उन्हीं के अधीनस्थों द्वारा खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। वहीं ऐसे कुछ कर्मियों को एसएसपी बेहतर कार्य के लिए भी पुरस्कृत कर रहे हैं। जो आम जनता की नजरों में आश्चर्यजनक है।

आपदा प्रभावितों को ...तबाह हो चुके हैं। सरकार पीड़ितों को मुआवजा नहीं पाई है। उन्होंने कहा कि मुआवजे के नाम पर सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है। कांग्रेस विधायकों ने आपदा प्रभावितों को पर्याप्त मुआवजा देने की पुरजोर मांग की। वहीं सदन के भीतर भीतर कांग्रेस विधायकों ने कई सवाल उठाते हुए सरकार को घेरने का प्रयास किया। आपदा राहत के साथ ही विपक्ष के विधायकों ने कानून व्यवस्था का मुद्दा भी जोर शोर से उठाया।

भवनकर नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि श्री दीपक ऋषि पुत्र स्व० श्री जितेन्द्र मोहन, द्वारा एक आवेदन इस आशय का प्रस्तुत किया है, कि आवेदक द्वारा भवन सं0-7 पु0नं0-495 भदईपुरा रूद्रपुर, को उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र में अंकित अन्य वारिसानों के शपथ पत्र एवं पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, के आधार से प्राप्त किया गया है। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र में अंकित अन्य वारिसानों के शपथ पत्र (यह पत्र गवर्मेंट सिक्यूरिटी मैनुअल के अंतर्गत केवल पाँच हजार रूपये के लिए मान्य है तथा किसी भी विवाद कि दशा में मान्य नहीं होगा।) एवं पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न किया गया है। नगर निगम भवनकर अभिलेखानुसार उक्त भवन सं0-7 पु0नं0-495 भदईपुरा रूद्रपुर, श्री जितेन्द्र मोहन पुत्र श्री आत्मा राम, के नाम पर वर्तमान में दर्ज है अतः उक्त भवन को नगर निगम अभिलेखों में श्री जितेन्द्र मोहन पुत्र श्री आत्मा राम, का नाम खारिज कर श्री दीपक ऋषि पुत्र स्व० श्री जितेन्द्र मोहन, के नाम नामांतरित कर दिया जाये। उक्त भवनकर नामान्तरण मात्र भवनकर प्राप्ति हेतु किया जा रहा है, जिससे भवन का स्वामित्व अप्रभावित रहेगा। अतः समस्त सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भवन कर का नामान्तरण में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना की जारी होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति स्पष्ट तर्क संगत साक्ष्यों सहित नगर निगम कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है, बाद मियाद समाप्ति पर प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

(लता आर्या)
कर अधीक्षक नगर निगम, रूद्रपुर ऊधमसिंह नगर

सूचना सम्बंध विच्छेद

सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र दीपांशु कुमार गलत संगत में पड़ गया है, वह आये दिन मुझे नुकसान पहुंचाने की कोशिश में लगा रहता है, जिससे दुखी और परेशान होकर मैंने अपने पुत्र दीपांशु कुमार से सारे रिश्ते नाते समाप्त कर लिये हैं और उसे अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में दीपांशु कुमार अपने हर प्रकार के अच्छे बुरे कार्य और लेन-देन आदि के लिए स्वयं जिम्मेवार होगा।

श्रीमती सोनी पत्नी अनिल राई
निवासी-शारदानगर, गोविंद विहार कालोनी, डिबडिबा, कौशलगंज, बिलासपुर, जिला रामपुर, उत्तर प्रदेश

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

'बलात्कार' के मामलों में 'उधम सिंह नगर' जनपद सबसे आगे

वर्ष 2023 में उत्तराखंड में सर्वाधिक 204 उधमसिंह नगर में, देहरादून में 85, हरिद्वार में 50 तथा नैनीताल जिले में 26 बलात्कार

काशीपुर(उद संवाददाता)। देश में आजकल बलात्कार व महिला उत्पीड़न को लेकर आन्दोलन हो रहे हैं लेकिन शांत माना जाने वाला उत्तराखंड राज्य भी इसमें पीछे नहीं हैं। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में 421 बलात्कार के अपराध पुलिस में दर्ज हुये हैं जिसमें अकेले उधमसिंह नगर जिले में 204 बलात्कार केस दर्ज हुये हैं। यह खुलासा सूचना अधिकार के अन्तर्गत पुलिस मुख्यालय द्वारा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन को उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय से वर्ष 2023 में दर्ज अपराधों सम्बन्धी विवरणों की सूचना चाही थी। इसके उत्तर में पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड की लोक सूचना अधिकारी/अपर पुलिस अधीक्षक (कार्मिक), शाहजहां जावेद खान ने अपने पत्रांक 53 दिनांक 29 जुलाई 2024 के साथ पुलिस उपाधीक्षक सी. सी.टी.एन.एस. विवेक सिंह कुटियाल द्वारा उपलब्ध कराये गये वर्ष 2023 के महिला उत्पीड़न सम्बंधी अपराधों के विवरण की सत्यापित फोटो प्रति उपलब्ध करायी है। श्री नदीम को उपलब्ध महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराधों के विवरण के अनुसार वर्ष 2023 में उत्तराखंड में 421 बलात्कार के अपराध दर्ज हुये है। इसमें सर्वाधिक 204 उधमसिंह नगर जिले में, दूसरे स्थान पर 85 देहरादून, तीसरे स्थान पर 50 हरिद्वार, चौथे स्थान पर 26 नैनीताल जिले में दर्ज हुये हैं। इसके अतिरिक्त अल्मोड़ा में 3, बागेश्वर में 5, चमोली व उत्तरकाशी में 2-2, चम्पावत में 4, पौड़ी गढ़वाल में 13, पिथौरागढ़ में 8, टिहरी गढ़वाल में 19, बलात्कार दर्ज हुये हैं। केवल रूद्रप्रयाग ही ऐसा जिला है जिसमें बलात्कार का कोई अपराध दर्ज नहीं है। वर्ष 2023 में 48 दहेज हत्या के अपराध दर्ज हुये हैं जिसमें सर्वाधिक 16 हरिद्वार, दूसरे स्थान पर 12 उधमसिंह नगर, तीसरे स्थान पर 6 नैनीताल तथा चौथे स्थान पर 3 देहरादून में दर्ज हुये हैं। इसके अतिरिक्त पिथौरागढ़, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी जिलों में 2-2 तथा अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चम्पावत, पौड़ी गढ़वाल जिलों में 1-1 दहेज हत्या का अपराध दर्ज हुआ है। केवल टिहरी गढ़वाल ही ऐसा जिला है जिसमें दहेज हत्या का कोई अपराध दर्ज नहीं हैं।वर्ष 2023 में उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में 1 एसिड अटैक का अपराध भी दर्ज है। वर्ष 2023 में उत्तराखंड के सभी जिलों में दहेज उत्पीड़न के कुल 1016 अपराध दर्ज हुये हैं। इसमें सर्वाधिक 382 देहरादून जिले में, दूसरे स्थान पर 249 उधमसिंह नगर जिले में, तीसरे स्थान पर 203 हरिद्वार जिले तथा चौथे स्थान पर 110 नैनीताल जिले में दर्ज हुये है। इसके अतिरिक्त अल्मोड़ा में 11, बागेश्वर में 3, चम्पावत में 9, पौड़ी गढ़वाल में 15, पिथौरागढ़ में 13, टिहरी गढ़वाल में 15, उत्तरकाशी में 4 तथा चमोली और रूद्रप्रयाग जिलों में 1-1 दहेज उत्पीड़न का अपराध दर्ज हुआ है।वर्ष 2023 में महिला अपहरण के 698 अपराध उत्तराखंड के 12 जिलों में दर्ज हुये है केवल टिहरी गढ़वाल में ही अपहरण का कोई अपराध नहीं हुआ हैं। अपहरण के सर्वाधिक 183 अपराध हरिद्वार जिले तथा दूसरे स्थान पर 178 अपराध देहरादून व उधमसिंह नगर जिलों, तीसरे स्थान पर 44 अपराध नैनीताल जिले, चौथे स्थान पर 27 अपहरण अल्मोड़ा जिले में दर्ज किये गये है। इसके अतिरिक्त चमोली में 15, चम्पावत में 12, पौड़ी गढ़वाल में 22, पिथौरागढ़ में 20, रूद्रप्रयाग में 8, उत्तरकाशी में 9 तथा बागेश्वर में 1 अपराध दर्ज हुआ है जबकि 1 अपहरण रेलवे पुलिस जी.आर.पी. में भी दर्ज हुआ है। महिला पर हमले के उत्तराखंड में दर्ज 624 अपराधों में सर्वाधिक 156 देहरादून, दूसरे स्थान पर 146 हरिद्वार, तीसरे स्थान पर 128 उधमसिंह नगर, चौथे स्थान पर 104 नैनीताल जिले में दर्ज हुये है। अन्य जिलों में अल्मोड़ा में 15, बागेश्वर में 4, चमोली में 7, चंपावत में 13, पौड़ी गढ़वाल में 14, पिथौरागढ़ में 22, रूद्रप्रयाग में 2, टिहरी गढ़वाल में 8 तथा उत्तरकाशी में 5 अपराध दर्ज हैं।महिला अपमान के उत्तराखंड में दर्ज 26 अपराधों में सर्वाधिक 11 देहरादून जिले, दूसरे स्थान पर 8 हरिद्वार, तीसरे स्थान पर 3-3 अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ तथा चौथे स्थान पर 1 चमोली में दर्ज हुये हैं। अन्य 8 जिलों में महिला अपमान का कोई अपराध दर्ज नहीं हुआ है। अपराध में दर्ज अनैतिक व्यापार के 26 अपराध केवल 4 जिलों में दर्ज किये गये हैं। जिसमें देहरादून में 10, नैनीताल में 7, हरिद्वार में 6 अपराध शामिल है।

डंपर की टक्कर से ननद और भाभी की मौत, चालक फरार

सितारगंज(उद संवाददाता)। टनकपुर नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार से आए डंपर ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार ननद-भाभी की मौत हो गई जबकि बाइक चालक भाई और उसका बेटा घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। बृहस्पतिवार की शाम ग्राम तुर्का तिसौर निवासी मोहम्मद अहमद (35) पुत्र शकूर अहमद, सहाना (32) पत्नी अहमद, फरहीन (22) पत्नी आरिफ और हारून (4) पुत्र अहमद दवा लेकर बाइक से अपने घर जा रहे थे कि टनकपुर नेशनल हाईवे पर इंडेन गैस एजेंसी के सामने, पीछे से आए डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। बाइक में पीछे बैठी ननद फरहीन और भाभी सहाना के हादसे के दौरान ट्रक की तरफ गिरने से उसका सिर कुचल गया। जिस कारण फरहीन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सहाना को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, बाइक चालक मोहम्मद अहमद और उसके पुत्र हारून के दूसरी तरफ गिरने के कारण उन्हें मामूली चोटे आई। जिनकी मरहम पट्टी कर उन्हें घर भेज दिया गया। पुलिस मौके से फरार ट्रक चालक की तलाश में सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, सहाना के तीन बच्चे है। एक 14 वर्षीय पुत्री और 4 वर्षीय दो पुत्र है। कोतवाल भूपेंद्र सिंह बृजवाल ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर फरार ट्रक चालक का पता लगाया जा रहा है।

जिला न्यायालय परिसर के पार्किंग कर्मी पर हमला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित पार्किंग के कर्मी पर कुछ युवकों द्वारा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले जाया गया। मामले की तहरीर सिडकुल चौकी पुलिस को दे दी गई है। हिमांशु कश्यप पुत्र बाबू राम कश्यप निवासी कृष्णा कालोनी ने बताया कि वह जिला एवं सत्र न्यायालय, में पार्किंग की जॉब करता है। 21 अगस्त को सांय 6 बजे कुछ लोग पार्किंग में आए और उसे न्यायालय परिसर के बाहर गेट पर ले गये। गेट के बाहर पहुंचते ही उपरोक्त सभी लोगों ने उस लात डण्डे लोहे की राड से जमीन पर गिराकर बुरी तरह से मारा पीटा। कोर्ट में आए उसके परिचित विष्णु ने लोगों से छोड़ने की गुहार लगाई। परन्तु वह लोग विष्णु को भी मारने पीटने को उतारू हो गए। उपरोक्त लोग उसे जाने से मारने की धमकी देकर चले गए।

सिडकुल में इंट्रीग्रेड एक्वा पार्क के लिए 15 करोड़ का बजट पास

प्रहलाद पलसिया गांव में राज्य का बनेगा पहला पार्क

सितारगंज(उद संवाददाता)। सिडकुल के प्रहलाद पलसिया गांव में राज्य का पहले इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क के लिए शासन ने 15 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत एक्वा पार्क की स्वीकृति मिली थी। जिसे नीली क्रांति के नाम से भी जाना जाता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयासों से केन्द्र सरकार ने उधमसिंह नगर के सितारगंज में इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क की स्थापना की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत स्वीकृति दी थी। सिडकुल के प्रहलाद पलसिया गांव में एकीकृत एक्वा पार्क के लिए पूर्व में भूमि भी हस्तांतरित हो चुकी है। कुल 44 करोड़ 50 लाख लागत की इस केन्द्र सहायतित योजना में केंद्र का अंशदान 40 करोड़ 05 लाख रुपए रहेगा। एक्वा पार्क, प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत लायी गयी एक अनूठी और अभिनव अवधारणा है, जहां विभिन्न मात्स्यिकी गतिविधियों को एक ही स्थान पर किया जाता है। ये मत्स्य पालकों और सम्बन्धित हितधारको के लिए बहुत बेहतरीन मंच प्रदान करने का कार्य करेगा। एक्वापार्क के अन्तर्गत विभिन्न मात्स्यिकी विकास की गतिविधियो को जोड़ा जायेगा। जिसमें पंगेशियस एवं तिलैपिया हैचरी, बायोफ्लॉक यूनिट रीसर्कुलेशन यूनिट (आर०ए०एस०), ऑरनामेंटल फिशरीज हैचरी एवं रियरिंग यूनिट प्रसंस्करण यूनिट, प्रशिक्षण केन्द्र, इन्क्युबेशन सेन्टर, क्वांरटीन यूनिट आदि कार्य किये जाएंगे। गुरुवार को शासन के अपर सचिव रवनीत चीमा ने होलसेल फिश मार्केट की स्थापना के लिए 1486. 70 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। स्थापित किये जाने वाले एक्वापार्क से एक वर्ष में उत्तम गुणवत्तायुक्त 1.8 करोड मत्स्य बीज का उत्पादन 250 मेट्रिक टन मछलियों का उत्पादन 2800 टन मछलियों का प्रसंस्करण आदि कार्य किये जायेगे। एक्वापार्क की स्थापना होने पर प्रारम्भिक वर्ष में 5815 व्यक्ति / मत्स्य पालक जबकि योजना के दसवे वर्ष से प्रति वर्ष 10445 व्यक्तियो को लाभ मिलेगा।

सितारगंज में पार्क, पार्किंग निर्माण के लिए बजट पारित

सितारगंज(उद संवाददाता)। शहर में पार्क और पार्किंग के लिए शासन ने साढ़े 9 करोड रुपए का बजट पारित कर दिया है। इसके बाद शहरी क्षेत्र में वाहनों को खड़ा करने और युवा, किशोर, वृद्धजन के घूमने के लिए पार्किंग निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। भाजपा पदाधिकारी, आमजन ने कैबिनेट मंत्री का आभार जताया। काफी लंबे समय से शहरी क्षेत्र में पार्क और पार्किंग की मांग की जा रही थी। श्री रामलीला ग्राउंड में वाहनों की पार्किंग होने के कारण धार्मिक, वैवाहिक आयोजन और दुकानदारों का व्यापार प्रभावित हो रहा था। वही दूसरी तरफ पार्किंग की कमी के कारण सड़कों के बीच में वाहन स्वामी गाड़ियों को पार्क करने पर विवश हो रहे थे। जिससे सड़कों में हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती थी। इसके अलावा घूमने फिरने के लिए पार्क न होने के कारण लोग सड़कों में टहलने को विवश थे। जिस कारण सड़कों में हादसों का खतरा बना रहता था। शहरवासियों ने नगर में पार्क और पार्किंग के लिए कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से अनुरोध किया। इसके बाद कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उद्यान विभाग की भूमि पर पार्क और पार्किंग निर्माण के लिए शासन से 974.54 लाख रुपए की वित्तीय स्वकृति दिला दी। अपर सचिव अतर सिंह ने पार्क और पार्किंग की वित्तीय स्वीकृति की मंजूरी प्रदान करती है। इधर शहरी क्षेत्र में पार्क और पार्किंग की वित्तीय स्वीकृति मिलने पर भाजपा पदाधिकारी और आमजन में खुशी की लहर है। भाजपा पदाधिकारी ने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का आभार जताया। आभार जताने वालों में भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष खतीब अहमद, मंडी अध्यक्ष अमरजीत सिंह कटवाल, मंडल अध्यक्ष आदेश चौहान, दीपक गुप्ता, पंकज गहतोड़ी, प्रधान कुलदीप सिंह कंबोज, निवर्तमान सभासद रस्तोगी, भोला जोशी, सुखदेव सिंह, चंदन श्रीवास्तव, शहनवाज आदि मौजूद थे।